आश्विन शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 62 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 24-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रशांत किशोर के आरोपों पर राजग मंत्री सफाई दें या पद छोड़ें : आर. के. सिंह

6 मलयालम सिनेमा के गौरव मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

7 महर्षि वाल्मीकि के रूप में मेरा फर्जी ट्रेलर एआई से बनाया गया : अक्षय कुमार

फर्स्ट टेक

रुपया 47 पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई/भाषा। रुपया मंगलवार को 47 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.75 (अस्थायी) के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। अमेरिका के एच-1बी वीजा शुल्क में भारी वृद्धि और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच घरेलू मुद्रा पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में फिसलकर यह दिन के सर्वकालिक निचले स्तर 88.76 प्रति डॉलर पर आ गया। अंत में यह 88.75 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 47 पैसे की गिरावट है।

चीन के शीर्ष रक्षा वैज्ञानिक को भ्रष्टाचार के आरोप में हिरासत में लिया गया

बीजिंग/भाषा। हथियार प्रणालियों के लिए 'सेमीकंडक्टर चिप्स' विकसित करने में विशेषज्ञता रखने वाले चीन के एक शीर्ष वैज्ञानिक को भ्रष्टाचार निरोधक प्राधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। उनकी कंपनी 'झेजियांग ग्रेट माइक्रोवेव टेक्नोलॉजी' ने यह जानकारी दी। हांगकांग में 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की मंगलवार की खबर के अनुसार, कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे '21 सितंबर को कंपनी के वास्तविक नियंत्रक और अध्यक्ष यू फैक्सिन के परिवार से पता लगा कि यू को हुआंगशी के 'सुपरवायसरी कमीशन' द्वारा हिरासत में लिया गया है।' यू यहां हांग्जो स्थित झेजियांग यूनिवर्सिटी के 'एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स' स्कूल में प्रतिष्ठित प्रोफेसर भी हैं।

खालिस्तानी नेता गोसल हथियारों से जुड़े अपराधों में गिरफ्तार

टोरंटो/भाषा। कनाडा की पुलिस ने खालिस्तानी नेता इंदरजीत सिंह गोसल को ओंटारियो प्रांत के व्हिटबी शहर में हथियारों से जुड़े दर्जन से अधिक अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया की खबरों में दी गयी है। ग्लोबल न्यूज ने सोमवार को अदालत के दस्तावेजों के हवाले से बताया कि ओंटारियो प्रांतीय पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को गोसल को बंदूक का लापरवाही से इस्तेमाल करने और अन्य संबंधित अपराधों के लिए गिरफ्तार किया। सोमवार को 36 वर्षीय गोसल को ओशावा की अदालत में पेश किया गया। अदालत में उस पर टोरंटो निवासी 23 वर्षीय अरमान सिंह और न्यूयॉर्क निवासी 41 वर्षीय जगदीप सिंह के साथ आरोप लगाये गये।

23-09-2025 सूर्यास्त 6:14 बजे | 24-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE 82,102.10 (-57.87) | NSE 25,169.50 (-32.85)

सोना 11,525 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 132,574 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीतिक फण्डे

है राजनीति का प्रबल अस्त्र,
दुश्मन की करना जासूसी।
सत्ता कहती है हरा जिसे,
प्रतिपक्षी कह देता भूसी।
चाहे अच्छे हो कृत्य भले,
फिर भी होती कानाफूसी।
गठबंधन होते ठगबंधन,
जिनमें चलती रुसारुसी।।

भारत के डीएनए में है प्रौद्योगिकी : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया में अपनी धाक जमा ली है... यह हमारे स्वदेशी वैज्ञानिकों की उपलब्धि है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि प्रौद्योगिकी भारत के डीएनए में है और उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा अन्य देशों से आगे रखने के लिए इसे और मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रधान ने कहा, ''हमें अपनी प्रौद्योगिकी को और मज़बूत करना होगा। आज मैं आपको दो उदाहरण देता हूं। अगर भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मजबूत न होते, तो चंद्रयान सफल नहीं हो पाता। इसमें विदेश से किसी भी तरह की मदद नहीं मिली है। हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया में अपनी धाक जमा ली है... यह हमारे स्वदेशी वैज्ञानिकों की उपलब्धि है।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने 2014 में डिजिटल इंडिया की बात की थी। उनके इस बयान पर कई लोगों ने टिप्पणियां की थीं। अब, दुनिया में अगर 100 रुपये का डिजिटल लेनदेन होता है, तो उसमें से 48 रुपये भारत में होते हैं।'' प्रधान ने यह टिप्पणी यहां तीनों सेनाओं की शैक्षणिक प्रौद्योगिकी संगोष्ठी में की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत के डीएनए में प्रौद्योगिकी बसती है। यही वजह है कि भारत में इंटरनेट की पहुंच दूसरे देशों के मुकाबले ज़्यादा है। यही वजह है कि भारत में स्मार्टफोन इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या ज़्यादा है।''

सिनेमा केवल उद्योग नहीं, समाज को जागृत करने का सशक्त माध्यम भी : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कला और सिनेमा जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं की जन्मजात प्रतिभा के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं। सिनेमा से जुड़ी ऐसी उत्कृष्ट महिला प्रतिभाएं उचित सम्मान की हकदार हैं।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में फिल्मकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिनेमा केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि समाज और देश को जागृत करने का माध्यम भी है। राष्ट्रपति ने कहा कि सिनेमा नागरिकों को अधिक संवेदनशील बनाने में भूमिका निभाता है।

मुर्मू ने कहा, ''सिनेमा सिर्फ एक उद्योग नहीं है; यह समाज और राष्ट्र को जागृत करने और नागरिकों को अधिक संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है। किसी फिल्म के लिए लोकप्रियता अच्छी बात हो सकती है, लेकिन जनहित, खासकर युवा पीढ़ी के हित का ध्यान रखना उससे भी बड़ा गुण है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय सिनेमा कई अलग-अलग भाषाओं, बोलियों, क्षेत्रों और स्थानीय परिवेशों में आगे बढ़ रहा है, और महिलाओं पर केंद्रित अच्छा सिनेमा भी बन रहा है और उसे सराहा जा रहा है। मुर्मू ने कहा, ''...यह एक बहुत अच्छा सामाजिक संदेश है। आज पुरस्कृत फिल्मों में, माताओं द्वारा बच्चों के नैतिक निर्माण पर आधारित फिल्में, उन साहसी महिलाओं की कहानियां शामिल हैं जो सामाजिक वर्जनाओं का सामना करने, पारिवारिक और सामाजिक ढांचों की जटिलताओं से निपटने और पितृसत्ता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए एकजुट होती हैं।'' उन्होंने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिला फिल्म निर्माताओं की कम संख्या पर भी टिप्पणी की। राष्ट्रपति ने कहा, ''जिस तरह शैक्षणिक संस्थानों के पुरस्कार समारोहों में बेटियों की ज्यादा संख्या एक विकसित भारत की छवि को दर्शाती है, उसी तरह फिल्म पुरस्कारों में भी यही प्रयास होना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर महिलाओं को समान अवसर दिए जाएं, तो वे असाधारण प्रदर्शन कर सकती हैं।'' उन्होंने कहा, ''कला और सिनेमा जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं की जन्मजात प्रतिभा के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं। सिनेमा से जुड़ी ऐसी उत्कृष्ट महिला प्रतिभाएं उचित सम्मान की हकदार हैं। जूरी के केंद्रीय और क्षेत्रीय पैनल में भी महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होना चाहिए।''

मुर्मू ने अपने भाषण में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं और इस वर्ष दादा साहब फाल्के पुरस्कार के विजेता मलयालम अभिनेता मोहनलाल को भी बधाई दी। उन्होंने मोहनलाल को 'संपूर्ण अभिनेता' की संज्ञा देते हुए उनकी प्रशंसा की।

मुर्मू ने कहा, ''उन्होंने (मोहनलाल ने) कोमल से कोमल और कठोर से कठोर भावनाओं को सहजता से प्रस्तुत किया है... मुझे यह जानकर सुखद आश्चर्य हुआ कि उन्होंने महाभारत के कर्ण पर आधारित एक लंबे संस्कृत नाटक में कर्ण की भूमिका निभाई है।

आयुष्मान भारत योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के मामले में क्रांतिकारी साबित हुई : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 2018 में आज ही के दिन शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी साबित हुई है और इसके लाभार्थियों के लिए वित्तीय सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित हुआ है।

इस चिकित्सा बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपए का वार्षिक स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाता है और गरीब व 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, आज आयुष्मान भारत के सात वर्ष पूरे हो गए हैं। यह एक ऐसी पहल थी जिसमें भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाकर लोगों के लिए उच्च गुणवत्ता के साथ-साथ किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांति देख रहा है। इसने वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया है। उन्होंने आगे कहा, भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना, करुणा और तकनीक मानव सशक्तिकरण को आगे बढ़ा सकते हैं।

मोदी ने एक आधिकारिक 'एक्स' हैंडल को टैग किया है, जिसने एक पोस्ट में बताया है कि सरकार की इस प्रमुख कल्याणकारी पहल में 55 करोड़ से ज्यादा नागरिक शामिल हैं और यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

पोस्ट में कहा गया है कि अब तक 42 करोड़ से ज़्यादा आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। पोस्ट में कहा गया है कि इससे सरकार का स्वास्थ्य व्यय 29 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया है, जबकि रोगी का खर्च 63 प्रतिशत से घटकर 39 प्रतिशत रह गया है।

पोस्ट में कहा गया है, लाखों परिवार बीमारी के दौरान आर्थिक तंगी से बाहर आ गए हैं।

सत्येन्द्र जैन बेनामी मामला

ईडी ने 7.44 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने धन शोधन जांच के तहत आम आदमी पार्टी (आप) नेता एवं दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के लाभकारी स्वामित्व व नियंत्रण वाली कंपनियों की करीब 7.44 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां कुर्क की हैं। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए 15 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया है। यह जांच जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन और अन्य के खिलाफ बेनामी संपत्ति रखने के एक कथित मामले और आय से अधिक संपत्ति रखने के एक अलग मामले से संबंधित है। धन शोधन का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी और आरोपपत्र से उत्पन्न हुआ है। जैन पर 14 फरवरी, 2015 से 31 मई, 2017 के बीच दिल्ली सरकार में मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

रूस व यूक्रेन ने एक-दूसरे पर ड्रोन, मिसाइल और बम दागे

जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र से मांगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने दावा किया कि उसने यूक्रेन की तरफ से मॉस्को की ओर आ रहे तीन दर्जन ड्रोन को मार गिराया। वहीं यूक्रेन ने कहा कि रूसी मिसाइलों, ड्रोन और बमबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।

इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक में अपने देश के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिशों में लगे हुए हैं। तीन वर्षों से अधिक समय से रूस की बड़ी और सुसज्जित सेना से जूझ रही यूक्रेन की सेना के जमीनी मोर्चे पर हालत तनावपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रपति जेलेंस्की इस सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने आए विश्व नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी में अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद उनके द्वारा रूस-यूक्रेन के बीच शुरू किए गए शांति प्रयास ठप पड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने सोमवार देर रात न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग से मुलाकात की। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने टेलीग्राम पर बताया कि केलॉग और जेलेंस्की ने ड्रोन निर्माण और यूक्रेन द्वारा अमेरिकी हथियारों की खरीद पर सहयोग समझौतों पर चर्चा की।

यूरोपीय देशों के नेताओं ने जेलेंस्की के कूटनीतिक प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की बैठक में गाजा में हो रहे इजराइल और हमास के बीच युद्ध पर विशेष तौर पर चर्चा किए जाने की संभावना है। कुछ यूरोपीय देश इस संभावना से चिंतित हैं कि रूसी उकसावे के कारण युद्ध यूक्रेन से बाहर भी फैल सकता है।

नाटो की रूस को चेतावनी, कहा-

अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए सभी साधनों का इस्तेमाल करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

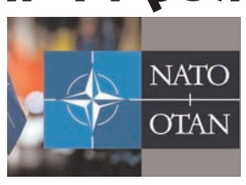

ब्रसेल्स/एपी। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने इस महीने की शुरुआत में पोलैंड के ऊपर रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने और पिछले सप्ताह एस्टोनिया में रूसी लड़ाकू विमानों की घुसपैठ की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार को कहा कि वह भविष्य में भी अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन रोकने के लिए सभी साधनों का उपयोग करेगा।

यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से नाटो और मॉस्को के बीच 10 सितंबर को पोलैंड में पहली बार आमना-सामना हुआ था। इस घटना ने यूरोपीय नेताओं को झकझोर दिया था और यह सवाल उठने लगा था कि नाटो रूस के बढ़ते आक्रमण खिलाफ कितना तैयार है।

एस्टोनिया ने कहा था कि तीन रूसी लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को बिना अनुमति के 12 मिनट तक उसके हवाई क्षेत्र में उड़ान भरी, हालांकि रूस ने इस आरोप को खारिज कर दिया।

पश्चिमी देशों के 32 सदस्य सैन्य संगठन नाटो ने कहा, हम अपने पसंदीदा तरीके, समय और क्षेत्र में प्रतिक्रिया देना जारी रखेंगे नाटो ने अपनी स्थापना से जुड़ी संधि के अनुच्छेद पांच का जिक्र किया, जिसके तहत संगठन के किसी सदस्य एक सदस्य पर हुए हमले को सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा।

जीएसटी में कटौती का नहीं मिल रहा लाभ तो टोल फ्री नंबर पर करें शिकायत

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि अगर उपभोक्ताओं को जीएसटी दर में कटौती का लाभ नहीं मिल रहा है, वे टोल फ्री नंबर 1915 पर या व्हाट्सएप नंबर 8800001915 के जरिये अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) में कहा कि पीड़ित ग्राहक राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर टोल फ्री नंबर 1915 पर कॉल कर सकते हैं या 8800001915 पर व्हाट्सएप कर सकते हैं।

आंध्र प्रदेश में पैसों के लिए 'सिजेरियन प्रसव' को बढ़ावा दे रहे 'लालची' चिकित्सक : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि देश में सबसे अधिक 'सिजेरियन प्रसव' आंध्र प्रदेश में होते हैं, जिसकी एक खास वजह यह है कि लालची चिकित्सक पैसों के लिए इस प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में होने वाले प्रसवों में से 56.62 प्रतिशत में 'सिजेरियन' होता है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 90 प्रतिशत 'सिजेरियन प्रसव' निजी अस्पतालों में हो रहे हैं।

नायडू ने कहा, सिजेरियन के माध्यम से 56.62 प्रतिशत प्रसव। यह एक खतरनाक चलन है। ये चिकित्सक भी, हर जगह, पैसे के लिए काम करते हैं। सुरक्षित प्रसव कराने के बजाय वे सिजेरियन प्रसव को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य देश में सिजेरियन ऑपरेशनों में सबसे आगे है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव को चिकित्सकों को यह बताने के लिए कहा कि सरकार इस चलन को स्वीकार नहीं करती और उन्हें अभी से सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारत को बेरोजगारी और 'वोट चोरी' से मुक्त कराना सबसे बड़ी देशभक्ति : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि बेरोजगारी और वोट चोरी का सीधा संबंध है तथा अब भारत को अब इन दोनों से मुक्त कराना ही अब सबसे बड़ी देशभक्ति है।

राहुल ने बिहार के कुछ युवाओं पर लाठीचार्ज और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सैर करने से संबंधित अलग-अलग वीडियो 'एक्स' पर साझा किए और कहा कि युवा समझ चुका है कि असली लड़ाई सिर्फ नौकरियों की नहीं, बल्कि वोट चोरी के खिलाफ है, क्योंकि जब तक चुनाव चोरी होते रहेंगे, तब तक बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ते रहेंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोज़गारी है – और इसका सीधा रिश्ता वोट चोरी से है। जब कोई सरकार जनता का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है, तो उसका पहला कर्तव्य होता है युवाओं को रोज़गार और अवसर देना। उन्होंने दावा किया कि भाजपा चुनाव ईमानदारी से नहीं जीतती और वह वोट चोरी और संस्थाओं को कैद कर के सत्ता में बनी रहती है। उन्होंने कहा, इसीलिए बेरोज़गारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। इसीलिए नौकरियां घट रही हैं, भर्ती प्रक्रियाएं ध्वस्त हो गई हैं और युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेला जा रहा है। इसीलिए हर परीक्षा पेपर लीक और हर भर्ती भ्रष्टाचार की कहानियों से जुड़ी रहती है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, देश का युवा मेहनत करता है, सपने देखता है और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। लेकिन मोदी जी सिर्फ अपने पीआर, 'सेलिब्रिटीज़' से अपना गुणगान करवाने और अरबपतियों के मुनाफे में व्यस्त हैं।

खोखले शब्दों से भरा है संयुक्त राष्ट : ट्रंप

संयुक्त राष्ट्र/एपी। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों और 150 से अधिक वैश्विक नेताओं के सामने, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को इस अंतरराष्ट्रीय संगठन की कड़ी आलोचना की।

ट्रंप ने कहा कि जिन विभिन्न युद्धों को उन्होंने रुकवाया है, उनके बारे में संयुक्त राष्ट्र ने उनसे संपर्क नहीं किया। ट्रंप ने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि संयुक्त राष्ट्र में अपार क्षमता है, लेकिन यह उस क्षमता के आसपास भी नहीं पहुंच पा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अधिकतर मामलों में, कम से कम अभी तो, वे बस एक बेहद कड़े शब्दों वाला पत्र लिखते हैं और फिर उस पर अमल नहीं करते। ये खोखले शब्द हैं और खोखले शब्दों से युद्ध हल नहीं होते।''

ट्रंप ने दुनिया भर के देशों के प्रतिनिधियों को यह बताने में जरा भी समय बर्बाद नहीं किया कि अमेरिका ''दुनिया में सबसे ज्यादा आकर्षण वाला देश है'', और कोई भी देश उसके आसपास भी नहीं है। उन्होंने बाद में कहा कि अमेरिका ''व्यापार करने के लिए दुनिया का सबसे अच्छा देश'' है। ट्रंप ने दावा किया कि अब अर्थव्यवस्था उनके पहले कार्यकाल की तुलना में 'बड़ी और बेहतर' है, जिसे उन्होंने 'दुनिया के इतिहास में सबसे महान' बताया।

भारत अगले तीन साल में वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में शीर्ष 10 देशों में शामिल होगा: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पिछले दशक में वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में भारत की रैंकिंग 91 से बढ़कर 38 हो गई है। देश अगले तीन साल में शीर्ष 10 में जगह बना लेगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए 'स्टार्टअप इंडिया' अभियान के परिणाम दिखने लगे हैं और देश अब वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। इसने देश के युवाओं को नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वाला बना दिया है। शाह ने यहां गुजरात सरकार के 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव' के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, '' हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक की घोषणा की गई। 2015 में इस सूचकांक में हमारी रैंकिंग 91 थी लेकिन 2025 में हम 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह हमारे लोगों की क्षमता को दर्शाता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे युवाओं के प्रदर्शन एवं क्षमताओं को देखते हुए देश अगले तीन वर्ष में शीर्ष 10 देशों में शामिल होगा और दुनिया में नवोन्मेषण के क्षेत्र में अग्रणी होगा।'' 'स्टार्टअप इंडिया' योजना भारत सरकार की प्रमुख पहल है, जिसे 2016 में नवाचार को बढ़ावा देने और एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए शुरू किया गया था। इसका मकसद भारत को नौकरी चाहने वाले देश से नौकरियों का सृजन करने वाले देश में बदलना है। शाह ने कहा, '' 2014 में हमारे पास सिर्फ 500 स्टार्टअप थे। आज हमारे पास डीपीआईआईटी (उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) के साथ पंजीकृत 1.92 लाख स्टार्टअप हैं। 2014 में हमारे पास चार यूनिकॉर्न थे और अब हमारे पास 120 ऐसे प्रतिष्ठान हैं जिनका संयुक्त बाजार मूल्य 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है।'' उन्होंने कहा कि आज कुल स्टार्टअप में से 52% छोटे व मझोले शहरों में स्थित हैं।

आत्मनिर्भर भारत देश की वृद्धि की कुंजी, 'जीएसटी 2.0' बड़ा सुधार: पी वी एन माधव

अमरावती/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आंध्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पी वी एन माधव ने मंगलवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान देश के स्वावलंबन के लिए अहम है और उन्होंने 'जीएसटी 2.0' को एक ऐतिहासिक सुधार बताया।

माधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी आंदोलन को पुनर्जीवित करने और लोगों से आर्थिक, रक्षा और विदेश नीतियों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ाने का आग्रह किया है। हाल ही में जीएसटी परिषद ने वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में व्यापक बदलाव को मंजूरी दी है, जिसके तहत बालों में लगाने वाले तेल से लेकर कॉर्न फ्लेक्स और व्यक्तिगत स्वास्थ्य व जीवन बीमा सहित सामान्य उपयोग की कई वस्तुओं पर कर घटाया गया है।

जीएसटी दरों में सुधार 22 सितंबर से प्रभावी हुआ। माधव ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान भारत के आत्मनिर्भर बनने के लिए महत्वपूर्ण है और 'जीएसटी 2.0' एक ऐतिहासिक सुधार है।''

उन्होंने कहा, ''भारत को अपनी ताकत पर भरोसा कर आर्थिक हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है। हम राज्यभर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के बारे में जागरूकता फैलाएंगे।'' उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान बृहस्पतिवार से शुरू होगा और दक्षिणी राज्य के हर घर तक इसका संदेश पहुंचाया जाएगा।

बड़े जहाजों के निर्माण को मिला अवसंरचना क्षेत्र का दर्जा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने के लिए अब बड़े जहाजों के निर्माण एवं संचालन को अवसंरचना क्षेत्र का दर्जा दे दिया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से एक गजट अधिसूचना के मुताबिक, अब भारतीय स्वामित्व और ध्वज वाले 10,000 टन या उससे अधिक वहन क्षमता वाले वाणिज्यिक जहाजों को अवसंरचना क्षेत्र का दर्जा मिलेगा। इसके अलावा, भारत में निर्मित 1,500 टन या उससे अधिक क्षमता के भारतीय स्वामित्व वाले जहाजों को भी यह सुविधा दी जाएगी। वित्त मंत्रालय ने 19 सितंबर को जारी अधिसूचना में कहा कि बड़े जहाजों को 'ढांचागत उप-क्षेत्रों की मानकीकृत सूची' (एचएमएल) के तहत परिवहन एवं लॉजिस्टिक श्रेणी में नए उप-क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है।

सरकार का यह निर्णय वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश बजट में की गई घोषणा के अनुरूप है। ढांचागत क्षेत्र का दर्जा मिलने से जहाज उद्योग को कई लाभ मिलेंगे। अब उनके लिए विदेशों से आसान वित्तपोषण, कर-मुक्त बॉन्ड के जरिये धन जुटाने की सुविधा, कर छूट और आईआईएफसीएल जैसे समर्पित ऋणदाताओं एवं ऋण कोषों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

भारत ने 2016 में 'जहाज निर्माण स्थल' को अवसंरचना क्षेत्र की सूची में जगह दी थी। फिलहाल इस सूची में पांच मुख्य क्षेत्र और 38 उप-क्षेत्र हैं। मुख्य क्षेत्रों में परिवहन, ऊर्जा, जल एवं स्वच्छता, संचार और सामाजिक एवं वाणिज्यिक अवसंरचना शामिल हैं। मेरिटाइम इंडिया विजन-2030 के मुताबिक, भारतीय जहाजरानी कंपनियों को जरूरी वित्त के अभाव में अपनी वहन क्षमता बढ़ाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बजट 2025-26 में 25,000 करोड़ रुपए का समुद्री-वहन विकास कोष स्थापित करने की घोषणा भी की गई थी, जो जहाज खरीद के वित्तपोषण में सीधे मदद करेगा। सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक भारतीय ध्वज वाले जहाजों का वैश्विक मालढुलाई में हिस्सा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाए। इस कोष के जरिये वर्ष 2030 तक जहाजरानी क्षेत्र में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष ने भीड़ नियंत्रण से जुड़े विधेयक की समीक्षा के लिए समिति गठित की

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू टी खादर ने 'कर्नाटक भीड़ नियंत्रण (कार्यक्रमों एवं सभा स्थल पर भीड़ प्रबंधन) विधेयक, 2025' की समीक्षा करने के लिए गृह मंत्री जी. परमेश्वर के नेतृत्व में सदन की 11 सदस्यीय समिति गठित की है। पिछले महीने विधानमंडल सत्र के दौरान, विपक्षी दलों ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर इस विधेयक को विस्तृत चर्चा और समीक्षा के लिए सदन की समिति को भेजने का दबाव डाला था। उन्होंने चिंता व्यक्त की थी कि प्रस्तावित कानून से विरोध प्रदर्शनों पर लगाम लग सकती है और सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों पर असर पड़ सकता है। सरकार ने यह विधेयक चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के बाद पेश किया था, जिसमें 11 लोग मारे गए थे।दंडात्मक प्रावधानों वाले इस विधेयक का उद्देश्य कार्यक्रमों और समारोहों में भीड़ को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना, सामूहिक समारोहों का प्रबंधन करना और गैरकानूनी समारोहों को रोकना है।

मंगलवार को मीडिया में जारी विधानसभा सचिवालय के 19 सितंबर के एक नोट में कहा गया है, सदन के प्रस्ताव के अनुसार, अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 247 के तहत विधेयक की समीक्षा करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए विधानसभा के सदस्यों की एक समिति गठित की है।

समिति में कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल, विधायक रिज़वान अरशद, श्रीनिवासैया एन, रविशंकर डी, श्रीनिवास वी. माने, प्रकाश के. कोलीवाड़, एच.डी. थमैया, वी. सुनील कुमार, एस.आर. विश्वनाथ और जी.डी. हरीश गौड़ा शामिल हैं।

सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन दल दशहरा उत्सव के भाग के रूप में मैसूरु में प्रदर्शन करेगा

बेंगलूरु। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम को मैसूरु दशहरा महोत्सव के दौरान मैसूरु में प्रदर्शन करेंगे। वर्ष 2003 में गठित, सारंग टीम भारतीय वायु सेना की ब्रांड एंबेसडर है।

टीम ने एचएएल के स्वदेशी 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर का संचालन करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 386 से ज़्यादा स्थानों पर 1200 से ज़्यादा शो किए हैं। टीम मैसूरु के प्रसिद्ध बन्नीमंडप मैदान में प्रस्तुति देगी। यह टीम मैसूरु के युवाओं को प्रभावित करेगी और उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों को अपने पसंदीदा करियर में शीर्ष विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। टीम का प्रयास 'उत्कृष्टता के माध्यम से प्रेरणा' के आदर्श वाक्य पर खरा उतरना और देश के युवाओं को प्रेरित करना है।

हिन्दुस्तानी आवाम : मोहमद वेंपली अमानुल्ला हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा के बने नए राष्ट्रीय सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव ने जानकारी दी कि बेंगलूरु के मोहमद वेंपली अमानुल्ला को हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा के अगले कार्यकाल के नए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। अमानुल्ला जो विकलांग होते हुए भी समाज तथा देश हित में कई सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, वो कई मंदिरों तथा मस्जिदों में कार्यों तथा निर्माण के कार्यों में, बाढ़ राहत कार्यों में सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। अनेक भाषा के जानकार मोहम्मद वेंपली एनआईडीसीसी के दक्षिण भारत के चेयरमैन हैं तथा कई कम्पनियों के डायरेक्टर है। पूर्व में राष्ट्रीय लोक जन शक्ति पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रह चुके है।

राजनाथ सिंह ने मोरक्को में किया टाटा एडवांस्ड सिस्टम लि. की विनिर्माण इकाई का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को के बरेचिड में 'व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म' के निर्माण के लिए लिए 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' के एक विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।

यह संयंत्र 20,000 वर्ग मीटर में फैला है तथा अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है। यह मोरक्को का भी सबसे बड़ा ऐसा संयंत्र है। मोरक्को सरकार के साथ अपने अनुबंध के तहत, 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' 'व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफ़ॉर्म' का निर्माण करेगी, जिसकी शुरुआती खेप अगले महीने आ जायेगी। यह संयंत्र निर्धारित समय से तीन महीने पहले चालू हो गया है और उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है।

उद्घाटन समारोह में मोरक्को के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदियी भी उपस्थित थे। 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड' ने कहा, ''यह किसी निजी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में स्थापित पहली रक्षा विनिर्माण इकाई है, जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन(डीआरडीओ) के साथ साझेदारी में उन्नत लड़ाकू वाहन प्लेटफॉर्म डिजाइन करने और उसकी आपूर्ति करने की भारत की क्षमता को रेखांकित करती है।'' कंपनी ने कहा कि इस सयंत्र ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार सृजित किए हैं, एक मजबूत आपूर्तिकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षमताओं का निर्माण किया है और देश में उत्पाद सहयोगपरक माहौल स्थापित किया है। कंपनी ने कहा कि यह आवश्यक उप-प्रणालियों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति करने वाले समर्पित सहायक भागीदारों को भी सहायता प्रदान करता है। 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, सुकरन सिंह ने कहा,''किसी निजी भारतीय रक्षा ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) द्वारा स्थापित पहले विदेशी विनिर्माण संयंत्र के रूप में, यह भारत में डिज़ाइन की गई रक्षा प्रौद्योगिकी प्रणालियों को विदेशी मित्र देशों को उपलब्ध कराने की हमारी रणनीतिक पहल का भी प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, ''मोरक्को में कैसाब्लांका के पास आज रक्षा कारखाने का उद्घाटन भारत-मोरक्को औद्योगिक साझेदारी में एक नया अध्याय जोड़ता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स को इस उपलब्धि का हिस्सा बनने पर गर्व है।'' यह संयंत्र प्रारंभ में 'रॉयल मोरक्कन आर्मी' की ज़रूरतों को पूरा करेगा और इसके बाद उसका विस्तार अफ्रीका में मित्र देशों को निर्यात करने के लिए किया जाएगा।

एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि से कारोबार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा: हैप्पिएस्ट माइंड्स

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने मंगलवार को कहा कि उसके अधिकतर कर्मचारी भारत में स्थित हैं और एच-1बी वीजा शुल्क में हाल में की गयी वृद्धि से उसके परिचालन और व्यावसायिक परिदृश्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह एच-1बी वीजा पर एकमुश्त 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने की घोषणा की थी। यूएससीआईएस (यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज) ने स्पष्ट किया है कि यह शुल्क समयसीमा से पहले दायर किसी भी आवेदन, पहले जारी किए गए एच-1बी वीजा, नवीनीकरण आवेदनों और अमेरिका में फिर से प्रवेश करने वाले एच-1बी धारकों पर लागू नहीं होगा। हैप्पिएस्ट माइंड्स के प्रबंध निदेशक वेंकटरमन नारायणन ने कहा कि वीजा शुल्क वृद्धि का कंपनी के कारोबार पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''पिछले 14 वर्षों में, हमने एक मजबूत ऑफशोर-केंद्रित डिलिवरी मॉडल तैयार किया है। जिसमें हमारे 94 प्रतिशत कर्मचारी भारत में कार्यरत हैं और हमारा लगभग 95 प्रतिशत राजस्व अमेरिका में परिचालन से बाहर से आता है। यह रणनीतिक दृष्टिकोण न केवल लागत दक्षता को बढ़ाता है, बल्कि हमें दुनिया भर में अपने ग्राहकों को लगातार उच्च-गुणवत्ता वाले डिजिटल समाधान प्रदान करने में भी सक्षम बनाता है।''

मध्यप्रदेश में गायों की हालत कुत्तों से भी बदतर हो गई है : कंप्यूटर बाबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। धार्मिक नेता कंप्यूटर बाबा ने गोरक्षा के मुद्दे को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को दावा किया कि राज्य में गायों की स्थिति कुत्तों से भी बदतर हो गई है। उन्होंने इंदौर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि यह स्थिति बड़ी विडम्बनापूर्ण है कि राज्य में 'गो माता' की स्थिति कुत्तों से भी बदतर हो गई है।

कंप्यूटर बाबा ने कहा, ''कुत्ते तो सड़क से (लोगों के घरों के) बेडरूम तक पहुंच गए हैं, पर गो माता आंगन से सड़क पर आ गई है और राज्य सरकार मूकदर्शक बन कर बैठी है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सूबे में सरकारी अनदेखी के कारण गायें सड़कों पर तड़प-तड़प कर मरने को मजबूर है।

धार्मिक नेता ने राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव से अनुरोध किया कि उन्हें गोरक्षा के मुद्दे पर संतों के प्रतिनिधिमंडल को चर्चा का समय देना चाहिए। कंप्यूटर बाबा ने बताया कि संत समुदाय अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक सात अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक 'गो माता न्याय यात्रा'' निकालेगा और हजारों गायों के साथ नर्मदापुरम से भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच करेगा। वैष्णव संप्रदाय (अपने इष्ट देव के रूप में भगवान विष्णु को पूजने वाले हिंदू मतावलम्बी) से ताल्लुक रखने वाले कंप्यूटर बाबा का असली नाम नामदेव दास त्यागी है।

उन्हें प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस की पिछली सरकारों ने अलग-अलग निकायों में शामिल करते हुए राज्य मंत्री के दर्जे से नवाजा था। ये निकाय नर्मदा, क्षिप्रा और मन्दाकिनी सरीखी नदियों की हिफाजत के साथ ही जल संरक्षण तथा स्वच्छता के विषयों पर जन जागरुकता फैलाने के लिए गठित किए गए थे। पुलिस और प्रशासन के दल ने इंदौर शहर से सटे जम्बूर्डी हप्सी गांव में सरकारी जमीन पर बने कंप्यूटर बाबा के आश्रम को अवैध बताकर आठ नवंबर 2020 को जमींदोज कर दिया था। इसके साथ ही, उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद कंप्यूटर बाबा को 19 नवंबर 2020 को जेल से रिहा किया गया था।

शिक्षा मंत्रालय, 'अटल इनोवेशन मिशन' विकसित भारत बिल्डथॉन आयोजित करेगा: प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा मंत्रालय और 'अटल इनोवेशन मिशन' स्कूली छात्रों में नवाचार, रचनात्मकता और समस्या-समाधान को प्रेरित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल, विकसित भारत बिल्डथॉन का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि बिल्डथॉन देश भर के 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्रों को चार विषयों के तहत प्रारूप बनाने, डिजाइन तैयार करने और विकसित करने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रधान ने एक प्रेस वार्ता में कहा, ''हमने देश में छठी से 12वीं कक्षा वाले सभी स्कूलों तक पहुंचने का प्रस्ताव रखा है और हम उन स्कूलों के प्रत्येक बच्चे को 2047 तक विकसित भारत के लिए विचार-मंथन का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह विचार-मंथन चार विषयों पर आधारित होगा, अर्थात् आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत।'' उन्होंने कहा, ''यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और नवप्रवर्तकों को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप, आत्मनिर्भर भारत के लिए समाधान बनाने के वास्ते एक साथ लाता है।''

समावेशन के लिए सरकार के साथ ही सामाजिक संगठनों की मदद की जरुरत है : वीरेंद्र कुमार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को कहा कि दिव्यांग बच्चों को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समावेशन अकेले सरकार द्वारा हासिल नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए सामाजिक और शैक्षिक संगठनों की मदद की जरुरत होती है।

भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) द्वारा आयोजित सांकेतिक भाषा दिवस समारोह में मंत्री ने कहा कि भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को मजबूत करने के प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कुमार ने कहा, ''दिव्यांग बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें बस अवसरों की ज़रूरत है।'' मंत्री ने आईएसएलआरटीसी द्वारा किए गए कार्यों का जिक्र किया, जिसमें 10,000 शब्दों का आईएसएल शब्दकोश तैयार करना, 2,300 से अधिक सांकेतिक भाषा वीडियो तैयार करना, तथा शिक्षकों और दुभाषियों को प्रशिक्षित करने के लिए नये डिप्लोमा और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की शुरुआत करना शामिल है।

केंद्र ने उत्तर प्रदेश, गुजरात में प्रमुख खरीफ दलहनों और तिलहनों की खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस वर्ष उत्तर प्रदेश और गुजरात से प्रमुख खरीफ दलहनों और तिलहनों की खरीद को मंजूरी दे दी। इस संबंध में निर्णय क्रमशः उप्र और गुजरात के कृषि मंत्रियों सूर्य प्रताप शाही और राघवजी पटेल के साथ एक वर्चुअल बैठक में लिया गया। सरकारी बयान में कहा है कि बैठक में, केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में लगभग 2.27 लाख टन उड़द (काला चना), 1.13 लाख टन अरहर, 1,983 टन मूंग, 30,410 टन तिल और 99,438 टन मूंगफली की खरीद पर सहमति व्यक्त की। गुजरात में, केंद्र ने 47,780 टन उड़द, 4,415 टन मूंग, 1.09 लाख टन सोयाबीन और 12.62 लाख टन मूंगफली खरीदने पर सहमति जताई।

कांग्रेस को यदि लगता है कि लोग खुश हैं तो वह जीएसटी सुधारों का श्रेय लेने को स्वतंत्र है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नवीनतम सुधारों से लोगों को वस्तुओं की कीमतों में कमी के साथ काफी राहत मिली है।

भाजपा ने कांग्रेस की आलोचना को लेकर उस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी पार्टी लगातार मांगें उठाती रहती है क्योंकि वह जानती है कि केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही उन्हें पूरा कर सकते हैं, यदि मांगें जनहित में हों। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर राज्यों वाली जीएसटी परिषद द्वारा जीएसटी दर में कटौती संबंधी निर्णय का श्रेय लेने का आरोप लगाया है।

इस पर, भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि अगर विपक्षी दल को लगता है कि लोग सुधारों से खुश हैं तो वे प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए बैनर और होर्डिंग लगाकर इसका श्रेय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से पूरे देश में ''उत्सव का माहौल'' है और कार, बाइक, इलेक्ट्रॉनिक सामान और दवाइयों सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आयी है। उन्होंने मीडिया की खबरों और मंत्रियों समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नेताओं को सोमवार को विभिन्न बाजारों के दौरे के दौरान लोगों और दुकानदारों से मिली ''प्रतिक्रिया'' का हवाला देते हुए यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लोग खुश हैं।'' कांग्रेस द्वारा नवीनतम जीएसटी सुधारों को सीमित, अपर्याप्त और बहुत देर से बताये जाने और सरकार से विभिन्न अन्य मुद्दों पर ध्यान देने के लिए कहने पर, पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में रहने के दौरान 75 वर्षों तक 17 प्रकार के कर लगाये और अपने शासन के दौरान लोगों को राहत प्रदान करने के लिए प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, ''वह (कांग्रेस) 'एक राष्ट्र, एक कर' (व्यवस्था) नहीं ला सकी। जीएसटी भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही वास्तविकता बन सका। पात्रा ने कहा, कांग्रेस भी हमसे मांग करती है। पहलगाम (आतंकी हमले) के बाद उसने सख्त कार्रवाई की मांग की थी...उन्हें पता है कि सिर्फ यही सरकार सख्त कार्रवाई करेगी...वे मांग करते रह सकते हैं। हमें कोई आपत्ति नहीं है। मोदी जी उनकी सभी मांगें पूरी करेंगे जो जनहित में हैं। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर नवीनतम जीएसटी सुधारों का अकेले श्रेय लेने का आरोप लगाने के बारे में पूछे जाने पर, पात्रा ने कहा, वे भी (जीएसटी सुधारों का) श्रेय लेना चाहते हैं? वे ले सकते हैं। हमने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, जयराम रमेश या कांग्रेस को श्रेय लेने से नहीं रोका।

त्योहारी नौकरियों को स्थायी रोजगार का एक अवसर मानते हैं लोग : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। त्योहारी मौसम में सृजित होने वाले अस्थायी रोजगार में लगे प्रत्येक तीन में से दो व्यक्ति इन अस्थायी नौकरियों को सिर्फ अतिरिक्त आय का साधन नहीं बल्कि पूर्णकालिक रोजगार के एक अवसर के रूप में भी देखते हैं। यह जानकारी इनडीड की एक रिपोर्ट ने दी है। नौकरी तलाश एवं भर्ती के ऑनलाइन मंच इनडीड ने अप्रैल से सितंबर, 2025 के बीच किए गए सर्वेक्षण के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरी की तलाश में लगे दो-तिहाई लोग सक्रिय रूप से पूर्णकालिक रोजगार की तलाश में हैं और वे त्योहारी मौसम में पैदा होने वाले अस्थायी रोजगार को टिकाऊ करियर के संभावित प्रवेश-द्वार के रूप में ही देखते हैं। हालांकि, नियोक्ताओं और कर्मचारियों की सोच के बीच अंतर दिख रहा है। सर्वे में शामिल 53 प्रतिशत नियोक्ताओं ने कहा कि तीन में से चार त्योहारी भर्तियां अस्थायी अनुबंध पर ही होती हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। नौकरी की तलाश में लगे करीब 69 प्रतिशत लोगों ने वित्तीय स्थिरता और नियमित वेतन को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया जबकि 37 प्रतिशत ने भविष्य निधि जैसे दीर्घकालिक लाभ में रुचि दिखाई। केवल सात प्रतिशत लोगों को ही असल में त्योहारी बोनस की परवाह थी और सिर्फ पांच प्रतिशत ने भुगतान के साथ अवकाश को अहमियत दी। हालांकि, एक खास बात यह रही कि 43 प्रतिशत नियोक्ता पिछले साल की तुलना में अधिक सक्रिय रूप से भर्ती कर रहे हैं। इनमें ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक, खुदरा और आतिथ्य क्षेत्र शामिल हैं।

गड्ढों की समस्या पूरे देश में है, सरकार बेंगलूरु में इसे ठीक कर रही है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में गड्ढों की समस्या है और मीडिया में इसे इस तरह से दिखाना कि समस्या सिर्फ कर्नाटक में है, यह सही नहीं है। शिवकुमार बेंगलूरु विकास मामलों के प्रभारी मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या को ठीक करना सरकार का कर्तव्य और जिम्मेदारी है और वह इस पर काम कर रही है। उन्होंने सत्ता में रहते हुए सड़कों की मरम्मत नहीं करने और अब नगर निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे को उठाने के लिए विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ऑनलाइन ट्रकिंग मंच ब्लैकबक के आवागमन और सड़क संबंधी बुनियादी ढांचे की समस्याओं का हवाला देते हुए कंपनी को बेंगलूरु के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) स्थित बेलंदूर स्थित अपने मौजूदा स्थान से हटाने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मोहनदास पई और बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ जैसे बेंगलूरु के उद्योग जगत के दिग्गजों ने हाल में इस संबंध में राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। ब्लैकबक, ट्रक ऑपरेटरों के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल मंच है जो ट्रक ऑपरेटरों को खाली ट्रकों में लोड ढूंढने, खर्चों को नियंत्रित करने और लोड प्राइसिंग तय करने में मदद करता है। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने भी राज्य भर में खासकर बेंगलूरु में सड़कों की हालत के मुद्दे पर 24 सितंबर को सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों में सड़क जाम कर प्रदर्शन करने का फैसला किया है।

शिवकुमार ने बिहार रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम बारिश के बावजूद गड्ढे भर रहे हैं। हर निगम (बेंगलूरु में पांच निगम) में लगभग एक हजार गड्ढे भरने का काम रोजाना किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि व''ह दिल्ली गए थे और उन्होंने वहां की सड़कें देखी थीं। उन्होंने कहा, कृपया अपने दिल्ली के पत्रकारों से पूछें कि कितने गड्ढे हैं? प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने वाली सड़क पर कितने गड्ढे हैं?''

उन्होंने कहा, ''मैं बड़ी आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) कंपनियों और अन्य लोगों से कहना चाहता हूं कि ऐसी समस्याएं (गड्ढों की समस्या) हर जगह हैं, हम अपना काम कर रहे हैं। यह समस्या पूरे देश में है लेकिन हमारा कर्तव्य है और हम इसे पूरा करेंगे।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य के पिछड़ा वर्ग आयोग को सामाजिक-आर्थिक व शैक्षिक सर्वेक्षण की अनुमति देने से संबंधित सरकार के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। यह सर्वेक्षण 22 सितंबर को शुरू हुआ था और सात अक्टूबर तक जारी रहने की उम्मीद है। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरु और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की एक पीठ ने याचिकाओं पर सरकार से जवाब मांगा है। पीठ ने मौखिक रूप से कहा, यदि प्रत्येक निवासी की पहचान और जाति निर्धारित कर ली जाए, तो क्या फर्क पड़ेगा?

राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने इस कवायद को गलत तरीके से 'जाति सर्वेक्षण' के रूप में पेश किया है। उन्होंने कहा कि यह एक सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक अध्ययन है, जिसका उद्देश्य कल्याणकारी योजनाएं बनाने के लिए सांख्यिकीय डेटा एकत्र करना है। सिंघवी ने कहा कि विश्वसनीय आंकड़ों के बिना नीति-निर्माण तर्कसंगत नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा, आंकड़ों के बिना कोई तर्कसंगत सलाह कैसे दे सकता है या तर्कसंगत नीति कैसे बना सकता है? सिंघवी ने कहा कि सर्वेक्षण के लिए जानकारी देना स्वैच्छिक होगा, जबकि जनगणना अधिनियम के प्रावधान अनिवार्य होते हैं। सिंघवी ने कहा कि डेटा एकत्र करने से निजता का उल्लंघन नहीं होगा और इसकी तब तक न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, जब तक कि संबंधित कानून को ही रद्द न कर दिया जाए।

एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग के. नवदगी ने कहा कि राज्य सरकार ने एक पुस्तिका जारी की है, जिसमें सर्वेक्षण में भागीदारी के लिए आधार और मोबाइल नंबर को अनिवार्य बताया गया है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत प्रतिबंधों का हवाला देते हुए दावा किया कि राज्य के पास ऐसा करने का संवैधानिक अधिकार नहीं है। नवदगी ने अनुच्छेद 342ए का भी हवाला दिया, जिसके तहत राज्यों को केवल कानून के जरिये पिछड़ी जातियों की सूची तैयार करने का अधिकार दिया गया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता जयकुमार पाटिल ने कहा कि कर्नाटक पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम में राज्यव्यापी सर्वेक्षण के लिए कोई तंत्र प्रदान नहीं किया गया है और यह कदम 'समानांतर जनगणना' से कम नहीं है, जो केंद्र सरकार के विशेष अधिकार क्षेत्र में आती है। इस मामले पर सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी।

कार्यकर्ता महेश शेट्टी थिमारोडी दक्षिण कन्नड़ जिले से एक साल के लिए तड़ीपार

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने एक आदेश जारी कर कार्यकर्ता महेश शेट्टी थिमारोडी को एक साल के लिए जिले से तड़ीपार कर दिया है। आदेश पुत्तूर सहायक आयुक्त (एसी) द्वारा जारी किया गया और थिमारोडी को रायचूर जिले में भेजने का निर्देश दिया गया। आदेश के अनुसार, थिमारोडी दक्षिण कन्नड़ जिले में केवल तभी प्रवेश कर सकते हैं जब पुलिस या अदालती नोटिस के तहत ऐसा करने की आवश्यकता हो। इस मामले में पुलिस की ओर से बंतवाल के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और थिमारोडी के वकील ने कानूनी प्रतिनिधित्व किया।

थिमारोडी के पास सरकार या उच्च न्यायालय में तड़ीपार आदेश की समीक्षा याचिका दायर करने का विकल्प है। प्रशासन ने कहा कि आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है और मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार है। जिला अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय धर्मस्थल मामले की जांच में विभिन्न अड़चनों के बाद लिया गया। धर्मस्थल मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रहा है।

इससे पहले दिन में, एसआईटी अधिकारियों ने थिमारोडी के करीबी सहयोगियों से जुड़े धन के लेन देन का पता लगाया। कुछ दिन पहले, उनके घर से एक खंजर और आग्नेयास्त्र भी बरामद हुए थे।

महिला दशहरा का हुआ उद्घाटन

गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के नाम पर जल्द ही सहकारी समिति की स्थापना की जाएगी : लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। महिलाएँ आत्मनिर्भरता की प्रतीक हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि पाँच गारंटी योजनाओं से राज्य में महिलाओं का जीवन बेहतर हुआ है। मंत्री मैसूर दशहरा महोत्सव के अंतर्गत जे.के. मैदान में आयोजित महिला दशहरा-2025 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रही थीं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र जीवन प्रदान करने, कामकाजी हाथों को काम उपलब्ध कराने और महिलाओं को स्वतंत्र रूप से जीने में मदद करने के उद्देश्य से पाँच गारंटी योजनाएँ लागू की हैं। उन्होंने कहा कि ये योजनाएँ महिलाओं को ध्यान में रखकर लागू की गई हैं और करोड़ों महिलाएँ इन योजनाओं से लाभान्वित हो रही हैं।

उन्होंने कहा, महिलाओं को बैंकों से उचित ऋण सुविधा नहीं मिल रही है। परिणामस्वरूप, उनके लिए आत्मनिर्भर जीवन बनाना कठिन होता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के नाम से एक सहकारी समिति शुरू करने की योजना बनाई है। इसके माध्यम से महिलाओं को ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

दशहरा का पर्व महिलाओं के स्वाभिमान, समृद्धि, धैर्य और शक्ति का प्रतीक है। नव देवी की पूजा करें। विजयादशमी उस देवी की पूजा का दिन है जो सज्जनों को दुष्टों से बचाती है। महिलाओं ने पूरी दुनिया को संस्कृति का रसपान कराया है। उन्होंने कहा कि पहले राजा राज करते थे। लेकिन अब सरकार दशहरा धूमधाम से मना रही है। आईसीडीएस के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र शुरू हुए पचास साल हो गए हैं और अब स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि एलकेजी और यूकेजी शुरू करके आंगनवाड़ी को एक कदम आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवसर पर गारंटी योजना प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुष्पा अमर नाथ, महिला दशहरा समिति के अध्यक्ष मल्लिगे वीरेश, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक महेश बाबू, महिला दशहरा उप-समिति के उप विशेष अधिकारी सविता.बी.एम., लता मोहन, शिल्पाश्री, मंजुला मंजूनाथ, वरलक्ष्मी, शशि रेखा, मालेगौड़ा, लता जगदीश, महिला दशहरा उप-समिति के सभी सदस्य और अधिकारी और कर्मचारी महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फिल्म टिकट की कीमत 200 रु तक सीमित करने के सरकारी आदेश पर रोक लगाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य में फिल्म के टिकट की अधिकतम कीमत 200 रुपये तय करने संबंधी आदेश के अमल पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति रवि वी होसमानी ने मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं अन्य हितधारकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक सिनेमा (विनियमन) (संशोधन) नियम-2025 के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि सरकार ने टिकट की कीमतों की अधिकतम सीमा तय करने के लिए कर्नाटक सिनेमा (विनियमन) अधिनियम के तहत मनमाने ढंग से एक प्रावधान पेश किया है।

रोहतगी ने कहा, ''अगर ग्राहक बेहतर सुविधाओं के लिए अधिक भुगतान करना चाहते हैं, तो 200 रुपये तय करने का आधार क्या है? एक समान सीमा लागू करने का कोई औचित्य नहीं है।''

उन्होंने बताया कि 2017 में जारी इसी तरह के एक सरकारी आदेश को उच्च न्यायालय ने निलंबित कर दिया था और बाद में राज्य सरकार ने इसे वापस ले लिया था। रोहतगी ने दलील दी कि कानून राज्य सरकार को टिकट की दरें तय करने का कोई अधिकार नहीं देता है और इस तरह का प्रतिबंध सिनेमा मालिकों के व्यवसाय के अधिकार को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।

उन्होंने यह भी कहा, ''ऐसा निर्देश नहीं दिया जा सकता कि प्रत्येक टिकट की कीमत 200 रुपये होनी चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे यह आदेश नहीं दिया जा सकता कि सभी विमानन कंपनियों को इकोनॉमी क्लास के साथ ही उड़ान भरनी होगी।'' वरिष्ठ अधिवक्ता उदय होल्ला और ध्यान चिन्नप्पा ने इस याचिका का समर्थन करते हुए दलील दी कि नियम 55 में एक प्रावधान जोड़कर यह संशोधन लाया गया है, जो टिकट काउंटर से संबंधित है, न कि टिकट की कीमतों से।

चिन्नप्पा ने कहा कि यह संशोधन अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण है, क्योंकि कीमतें तय करने का अधिकार स्पष्ट विधायी समर्थन से ही प्राप्त होना चाहिए। एक अन्य थिएटर संचालक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डी. आर. रविशंकर ने दलील दी कि फिल्म टिकटों की कीमतें सिनेमा मालिकों और ग्राहकों के बीच एक निजी अनुबंध का मामला है। उन्होंने कहा कि जब तक कानून में स्पष्ट रूप से इस तरह के विनियमन का प्रावधान नहीं है, सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

भीड़ ने 'अवैध' रूप से गौवंश मांस ले जा रहे वाहन को आग के हवाले किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के ऐनापुर कस्बे में सोमवार रात स्थानीय लोगों ने कथित रूप से गौवंश मांस से लदे एक ट्रक में आग लगा दी, जो तेलंगाना जा रहा था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ट्रक रायबाग तालुक के कुदाची से हैदराबाद जा रहा था, जब यह कागवाड़ तालुक के सिद्धेश्वर मंदिर के पास रोका गया और वाहन से गौवंश मांस बरामद हुआ। इसके बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया।

पुलिस ने बताया कि बेलागावी अग्निशमन विभाग और उगर शुगर कारखाना के दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। पुलिस के अनुसार, इस सिलसिले में पशु वध रोधी कानून और लूट के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा पशु वध रोकथाम अधिनियम और पशुओं पर क्रूरता रोकथाम अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पशु मांस के कथित अवैध परिवहन के लिए तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/131/2025
दिनांक: 24.07.2025 के लिए शुद्धिपत्र
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
ईपीसी मोड़ पर मारिकुप्पम - कुप्पम नई लाइन परियोजना (23.7 किमी) के तहत मिड सेक्शन (किमी. 5.72) और कुप्पम (सहित) (किमी. 23.869) के बीच नई ब्राड गेज लाइन का निर्माण और इसके साथ साथ सिविल व ट्रैक कार्यों, सिग्नल और दूरसंचार कार्य, रेलवे विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिकल जनरल सेवाएं। (निविदा संदर्भ सं.: MKM-KPN-EPC-02)	रु. 354,84,42,876/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि

मौजूदा	संशोधित
26.09.2025, (15:00 बजे तक)	15.10.2025, (15:00 बजे तक)

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/ बेंगलूरु छावनी
PUB/498/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/44
दिनांक: 13.09.2025

Sl.#	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	(पुनः निविदा) सकलेशपुर (एसकेएलआर) यार्ड पर रोड़ 4 व 5 के लिए फ्रैट रेलों का परीक्षण के लिए चार अतिरिक्त पोटल लाईटों का प्रावधान।	रु. 15,35,806.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 06.10.2025, 11:00 बजे तक
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/45
दिनांक: 13.09.2025

2	मैसूरु, अशोकपुरम, अरसीकेरे, सकलेशपुर, शिवमोग्गा टाऊन, तलगुप्पा और हासन पर रोलिंग इन / आऊट का परीक्षण के लिए पोर्टा-कैबिनों का प्रावधान।	रु. 22,46,223/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 06.10.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ सामान्य/मैसूरु
PUB/484/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ओपन सूचना सं. 21/SBC/2025, दिनांक: 15.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: उप कार्य-1: एसएसई/पी.वे/बेंगलूरु विभाग में बेंगलूरु कंटोनमेंट (एसबीसी) यार्ड पर रोड़ नं. 5, 6, 7, 14, 15 और 17 पर 8.042 किमी. लंबाई दूर के लिए स्लीपर घनत्व को 1310 से 1540 तक बढ़ाना। उप कार्य-2: बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: किमी. 303/200-304/900 डाऊन लाईन पर 1.7 किमी. लंबाई दूर के लिए मौजूदा 60 केजी. रेल्स को 60 केजी/110 यूटीस क्लॉस 1 रेल्स से थ्रू रेल रिन्यूअल (पी) कार्य। उप कार्य-3: बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: एसएसई/पी.वे/कोलार विभाग में 311/500-295/500 तक 15 किमी. लंबाई दूर के लिए थ्रू फिटिंग रिन्यूअल (पीएफआर) कार्य। उप कार्य-4: बेंगलूरु विभाग: यलहंका - बंगारपेट विभाग में तुरंडहल्ली (टीयूएचडी) स्टेशन पर नई क्रॉसिंग स्टेशन का निर्माण।	रु. 1,20,64,689/-
2	बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: हूडी हॉल्ट (एचडीआईएच) - कृष्णराजपुरम (केजेएम) स्टेशनों के बीच किमी. 339/300-400 पर अतिचार स्थान पर आरयूबी का निर्माण। माप - 1.0 6.0 3.5 - एयर पुशिंग विधि अनुसार. रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि जिस में जो बाद मे होगा।	रु. 4,02,26,845/-
3	बेंगलूरु - जोलारपेट विभाग: विभागीय गति को प्रति घंटे 110 से 130 किमी. तक बढ़ाने के संबंध में 35.60 किमी. (सहायक विभागीय इंजीनियर/बेंगलूरु कंटोनमेंट विभाग) के लिए डब्ल्यू-बीम मेटल बैरियर के साथ सुरक्षा फेंसिग का प्रावधान। रखरखाव की अवधि 12 महिने (दो पैकेट)।	रु. 14,45,94,105/-
4	सहायक विभागीय इंजीनियर/मंडया उप विभाग: केंगेरी (केजीआई) पर प्लैटफॉर्म - 4 पर प्रस्तावित एस्कलेटर का निर्माण। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि जिस में जो बाद मे होगा।	रु. 56,06,514/-
5	उप कार्य-1: बेंगलूरु कंटोनमेंट (बीएनसी): बेंगलूरु कंटोनमेंट (बीएनसी) पर प्रस्तावित टाईप-3 क्वार्टरों का निर्माण (4 यूनिट) (स्टिल्ट + ग्राऊंड तल)। उप कार्य-2: बेंगलूरु कंटोनमेंट (बीएनसी): बेंगलूरु कंटोनमेंट (बीएनसी) पर मौजूदा पहला मंजिल और द्वितीय मंजिल पर टाईप-3 क्वार्टरों का निर्माण (8 यूनिट)। रखरखाव की अवधि 12 महिने (संयुक्त निविदा)।	रु. 4,22,07,361/-
6	बेंगलूरु - संपिगे रोड विभाग: गती को प्रति घंटा 110 किमी. से 130 किमी. तक बढ़ाने के संबंध में 14 किमी. लंबाई दूर के लिए बाऊंडरी दिवार का निर्माण। रखरखाव की अवधि 12 महिने (दो पैकेट)।	रु. 11,51,97,379/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.10.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / बेंगलूरु
PUB/492/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

वायुसेना के मेडिकल ट्रेनिंग सेंटर ने एचएडीआर पर स्वास्थ्य सेवा सेमिनार का आयोजन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वायुसेना के मेडिकल ट्रेनिंग सेंटर ने 22 व 23 सितंबर को 'सहयोग और समन्वय: प्रभावी एचएडीआर की कुंजी' विषय पर सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा सेमिनार का आयोजन किया।

इस सेमिनार का मकसद चिकित्सा सहायकों को मानवीय सहायता और आपदा राहत पर व्यापक अवलोकन प्रदान करना और एचएडीआर के दौरान विभिन्न संगठनों के बीच सहयोग और समन्वय को समझाना था।

सेमिनार के मुख्य अतिथि चिकित्सा सेवा (वायु) महानिदेशक एयर मार्शल संदीप थरेजा थे, जिन्होंने इसका उद्घाटन किया। इसमें वायुसेना, थल सेना और नौसेना की विभिन्न यूनिट्स के सहयोगी और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों ने भाग लिया। कर्नाटक राज्य आपदा राहत बल के प्रतिनिधियों ने भी सेमिनार में भाग लिया। इसका प्रसारण एयरफोर्स नेट और इंटरनेट (वेबएक्स), दोनों पर किया गया।

दो दिवसीय कार्यक्रम में सामूहिक दुर्घटना और आपातकालीन प्रतिक्रिया, चिकित्सा सहायता और रोग प्रकोप की रोकथाम, मानसिक सहायता और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, चिकित्सा नैतिकता और सहयोग तथा प्रशासनिक और लॉजिस्टिकल आपूर्ति चेन प्रबंधन जैसे समकालीन विषयों पर विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों और चर्चाओं का आयोजन किया गया।

कर्नाटक एसडीआरएफ और वायुसेना आरएएमटी ने आपदा राहत के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विशेषज्ञों से जुड़ने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और एचएडीआर की जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन समाधानों पर चर्चा करने का मौका मिला। चर्चाओं में आपदाओं और मानवीय संकटों से निपटने में सहयोग, समन्वय और तैयारी के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

बेंगलूरु बस स्टैंड पर बेटी के सामने महिला की चाकू से हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक बस स्टैंड पर 32 वर्षीय महिला की उसके पति ने किशोर बेटी के सामने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि इनका विवाह तीन महीने पहले ही हुआ था और यह दोनों की दूसरी शादी थी। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह यहां सुनकादकट्टे बस स्टैंड पर सबके सामने हुई।

पुलिस ने बताया कि राहगीरों ने लोहिताश्व (43) को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने रेखा के सीने और पेट में कथित तौर पर कई बार चाकू से वार किया और मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि रेखा की मौके पर ही मौत हो गई और पूरी घटना उसकी बेटी के सामने हुई। पुलिस ने बताया कि बाद में लोहिताश्व ने कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया और अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि दोनों की शादी तीन महीने पहले ही हुई थी। यह दोनों की दूसरी शादी थी। रेखा एक कॉल सेंटर में काम करती थी जबकि लोहिताश्व कैब चालक था। उनकी मुलाकात दोस्तों के ज़रिए हुई थी और डेढ़ साल की मित्रता के बाद उन्होंने शादी कर ली थी। पुलिस को शक है कि अपराध के पीछे वैवाहिक कलह एक कारण हो सकता है। आरोपी को शक था कि रेखा का किसी दूसरे व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध है।

दंपति सुंकदकट्टे के पास किराए के मकान में रह रहा था और रेखा की पहली शादी से हुई बड़ी बेटी उनके साथ रहती थी, जबकि उनकी छोटी बेटी रेखा के माता-पिता के साथ रहती थी। अधिकारी ने बताया कि शादी के बाद से ही दोनों में अक्सर झगड़ा होता रहता था और घटना वाले दिन भी उनके बीच तीखी बहस हुई जिसके बाद रेखा अपनी 13 साल की बेटी के साथ बस स्टैंड के लिए निकली। वह मौके पर पहुंचा और झगड़ा करने लगा। अधिकारी ने बताया कि जब उसकी बेटी ने बीच-बचाव किया तो लोहिताश्व ने चाकू से रेखा की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज करने के बाद लोहिताश्व को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

जीएसटी को लेकर मेघवाल ने की दुकानदारों से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय क़ानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राजस्थान के खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने 22 से 29 सितम्बर तक चल रहे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उत्सव के तहत राजस्थान में बीकानेर जिले के लूनकरणसर में मंगलवार को दुकानदारों से मुलाकात की। मेघवाल और गोदारा दोपहर में लूनकरनसर पहुंचे, जहां उन्होंने 'घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार' के तहत दुकानदारों से बातचीत की। कालू रोड स्थित खुदरा रेट विक्रेता विनायक भोग मसाला और भेरू इलेक्ट्रिक एंड मशीनरी स्टोर संचालकों ने जीएसटी घटाने पर केंद्र सरकार का आभार जताया। इस दौरान दुकानदारों भीवा राम, सुभाष शर्मा और गोरधन शर्मा ने बताया कि उन्होंने 22 सितम्बर से ही जीएसटी की नई दरों से सामान की बिक्री शुरू कर दी है। आमजन को इसका लाभ मिलना शुरू हो गया है, जीएसटी दरें कम होने से लोगों में खुशी का माहौल है।

गहलोत ने शासन और जन सेवा संबंधी चिंताओं को उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राज्य में शासन और जन सेवा के मुद्दों पर चिंता व्यक्त की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ 'अभूतपूर्व' सत्ता विरोधी लहर का ज़िक्र किया। भीलवाड़ा में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, सामान्यतः सत्ता विरोधी लहर सरकार बनने के तीन साल बाद पनपती है, लेकिन इस बार लोग शुरुआत से ही खुद को अनसुना महसूस कर रहे हैं। वे पूछते हैं, 'हम कहां जाएं?' यह धारणा राज्य के लिए चिंताजनक है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अधिकारी लोगों की शिकायतों का जवाब नहीं दे रहे हैं और कई परियोजनाएं, अस्पताल और इमारतें अब तक शुरू नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री इन कार्यों का उद्घाटन करते हैं, तो इसका लाभ लोगों तक पहुंचेगा।

गहलोत ने बढ़ती अपराध दर, बिजली और सब्सिडी लाभों में देरी, मनरेगा और निर्माण भुगतान के रुके होने, पशु चारे की कमी से किसानों को हो रही परेशानी और भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज में अधूरे चिकित्सा बुनियादी ढांचे के मुद्दे को भी रेखांकित किया। कांग्रेस नेता ने मतदाता अधिकारों और चुनावी शुचिता को लेकर खतरों के प्रति आगाह किया और इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचन आयोग को पारदर्शी प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करना चाहिए। उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड का ज़िक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि जांच में देरी एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने सरकार से न्याय के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। गहलोत ने स्पष्ट किया कि उनकी अपील राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में नहीं, बल्कि जनहित में थी।

जीएसटी में बदलाव से महंगाई दर होगी कम : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने नवरात्र के अवसर पर वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) में किये गये बदलाव से महंगाई कम होगी और आमजन की खरीदारी की क्षमता में वृद्धि होगी। राठौड मंगलवार को उदयपुर में भाजपा की ओर से आयोजित व्यापारियों से संवाद कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी में इस बदलाव से देश में व्यापारियों एवं करोडों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने केन्द्र की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और भाजपा की मोदी सरकार के बीच तुलना करते हुए कहा कि महंगाई दर में बहुत फर्क देखने को मिला है। जीएसटी लागू होने से पहले अलग-अलग प्रकार के कर लगने की वजह से व्यापारियों को परेशान होना पड़ता था, लेकिन अब एक ही कर लगने से व्यापारी आसानी से कर भर रहे हैं। इससे सभी व्यापारियों को लाभ हो रहा है। जीएसटी पर विपक्ष की ओर से लगातार उठाये जा रहे सवालों पर राठौड़ ने कहा कि विपक्ष जानता है कि जीएसटी के बाद सभी को लाभ हुआ है, लेकिन उनका काम विरोध करना है, इसलिए वे विरोध कर रहे हैं। इससे पहले राठौड ने मंडी में व्यापारियों से बातचीत करने के साथ ही सभी दुकानों पर मोदी सरकार के धन्यवाद के पर्चे स्टिकर लगाये। राठौड़ के साथ भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, नगर निगम उपमहापौर पारस सिंघवी, पूर्व महपौर रजनी डांगी सहित कई नेता मौजूद रहे।

मोदी दीपावली पर देंगे जोधपुरवासियों को नए एयरपोर्ट टर्मिनल की सौगात : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दीपावली पर जोधपुर नए एयरपोर्ट टर्मिनल को जोधपुरवासियों को समर्पित करेंगे। शेखावत ने मंगलवार को निर्माणाधीन एयरपोर्ट टर्मिनल का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि टर्मिनल का कार्य अंतिम चरण में है और अक्टूबर तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। नए टर्मिनल के शुरू होने के बाद एक साथ 13 फ्लाइट्स का संचालन संभव होगा, जिससे शहर की एयर कनेक्टिविटी और भी मजबूत होगी। यात्रियों को बिजली, पानी और अन्य सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अब तक तीन बड़ी दिवाली की सौगातें दी हैं, पहली जीएसटी लागू करके, दूसरी दीयों की रोशनी से और तीसरी जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल के रूप में। उन्होंने बताया कि केंद्र के आग्रह पर राज्य सरकार ने जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर और किशनगढ़ एयरपोर्ट पर रिफ्यूलिंग करने वाले विमानों पर वेट टैक्स में 26-27 प्रतिशत तक की छूट दी है। इस निर्णय से दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों की तुलना में यहां फ्यूल सस्ता होगा और इसका सीधा लाभ विमानन उद्योग को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इस कदम से जोधपुर में एयर ट्रैफिक में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। फिलहाल, सुबह एवं शाम दिल्ली और मुंबई के लिए नियमित फ्लाइट उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे बल्कि जोधपुर के एलिवेटेड रोड और रिंग रोड परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। इससे शहर के ट्रैफिक प्रबंधन में व्यापक सुधार होगा।शेखावत ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में भारत में एविएशन सेक्टर में बड़े विस्तार की संभावना है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह की एयरलाइंस एयर इंडिया एक्सप्रेस नए जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल से संचालन शुरू करेगी।

जैसे ही यह टर्मिनल बिल्डिंग पूरी होगी, एयर ट्रैफिक में बढ़ोतरी होगी और इसके बाद निजी कंपनियां भी यहां संचालन में रुचि दिखाएंगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल पूरे देश में एक हजार से कम विमान संचालित हो रहे हैं, लेकिन आने वाले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एविएशन उद्योग में अभूतपूर्व उछाल देखने को मिलेगा। इस दौरान करीब तीन हाजर नए विमानों के लिए आवेदन किया गया है।

उन्होंने कहा कि एयर, रोड और रेल कनेक्टिविटी के साथ अब जोधपुर में नए टूरिस्ट स्पॉट विकसित किए जाएंगे, ताकि पर्यटन उद्योग को और बढ़ावा मिल सके। उनके अनुसार किसी भी विकसित देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन अहम भूमिका निभाता है और इसी दिशा में जोधपुर को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव आयुष विभाग सुबीर कुमार ने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धतियों ने हजारों वर्षों से जीवन को स्वस्थ बनाए रखा है। राज्य सरकार प्रदेश में उन्नत आयुर्वेद चिकित्सा उपलब्ध करवाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में आयुष औषधालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। आमजन के लिए गुणवत्तायुक्त औषधियां और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कुमार मंगलवार को जयपुर के आरआईसी में दसवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए थीम पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की सहायता से राज्य वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के तहत कुल 348.88 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इसके अंतर्गत लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर के चाकसू में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय तथा दूदू एवं बूंदी में एकीकृत आयुष चिकित्सालयों का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2025 से आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) में आयुष चिकित्सा के 20 पैकेज जोड़े गए हैं, जिनके अंतर्गत 79 आयुर्वेद चिकित्सालयों को एम्पैनल किया गया है।

निदेशक आयुर्वेद विभाग आनंद शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद दिवस पूर्व में तिथि के अनुसार आयोजित किया जाता था, अब इसे हर वर्ष 23 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आरोग्य ग्राम योजना के तहत प्रारंभिक रूप से 210 गांवों का चयन किया गया है।

मोदी की बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को शासन सचिवालय में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालयों, नगरीय निकायों एवं पंचायत स्तर तक प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि सभा स्थल पर आमजन के लिए पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए। सभा स्थल तक आने-जाने के लिए परिवहन व्यवस्था सुचारु रखी जाए तथा यातायात प्रबंधन ऐसा हो कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभा स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जनसुविधाओं को प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान विभिन्न विकास कार्यों की सौगात राज्य को मिलेगी, इसलिए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण अवसर के लिए सभी तैयारियों को पूर्णता एवं समयबद्धता के साथ अंतिम रूप दिया जाए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव सहकारिता विभाग श्रीमती मंजू राजपाल, शासन सचिव कार्मिक विभाग डॉ. के. के पाठक, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव पशुपालन विभाग डॉ. समित शर्मा, शासन सचिव सामान्य प्रशासन डॉ. जोगाराम, शासन सचिव परिवहन विभाग श्रीमती शुची त्यागी, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग श्रीमती अर्चना सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।

बीकानेर हाउस में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर/दक्षिण भारत । राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेदिक विभाग द्वारा नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में मंगलवार को 10वां आयुर्वेद दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर बीकानेर हाउस स्थित राजकीय चिकित्सालय में आयुर्वेद विभाग की प्रभारी डॉक्टर मंजीत कौर ने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आयुर्वेद दिवस पर दिए गए संदेश का वाचन किया और आयुर्वेद के प्रचार प्रसार को विश्व पटल पर स्थापित करने की उनकी मंशा को सभी के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उन्होंने आयुर्वेद 2025 की थीम आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लैनेट को ध्यान में रखते हुए नारी पोषण, स्वास्थ्य पखवाड़ा आदि के माध्यम से आयुर्वेद की विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगिता एवं विश्वकल्याण की भावना पर सरकार की मंशा और किए गए विशेष कार्यों की जानकारी प्रदान की।डॉ कौर ने बताया कि पूर्व में आयुर्वेद दिवस धनतेरस पर धन्वंतरि जयंती पर मनाया जाता था, पर इस वर्ष भारत सरकार, आयुष मंत्रालय के निर्णय द्वारा इसे प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को मनाने का निर्णय किया गया है।

प्रधानमंत्री के सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को साकार कर रहा है सेवा पखवाड़ा : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह एवं पशुपालन मंत्री एवं करौली जिले के प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मंगलवार को जिले में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवासीय पट्टे एवं प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत राशि स्वीकृत करवाने के प्रमाण पत्र वितरीत किये। उन्होंने क्षय रोगियों को निक्षय पोषण किट तथा गर्भवती महिलाओं को अन्नप्राशन पोषण किट वितरित की। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को अधिक से अधिक लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर संचालित किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने, ब्लैक स्पॉट समाप्त करने, सड़कों, नालियों व सीवर लाइनों की मरम्मत, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटस को दुरुस्त करने, पार्कों व चौराहों के सौंदर्यकरण सहित अनेक जन उपयोगी कार्य किए जा रहे हैं।

मदरसा शिक्षक को 'सेक्सटॉर्शन रैकेट' चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया

जयपुर। राजस्थान के अलवर में बांग्लादेश से जुड़े एक 'सेक्सटॉर्शन रैकेट' के तहत लोगों को ब्लैकमेल करने के आरोप में 22 वर्षीय मदरसा शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'सेक्सटॉर्शन रैकेट' के तहत कोई व्यक्ति लोगों को निजी या यौन वीडियो या तस्वीरें साझा करने के लिए कहता है और फिर उन्हें ब्लैकमेल करके पैसे मांगता है। पुलिस ने बताया कि गोठड़ा खुर्द गांव के मूल निवासी सोयव खान को 'ऑपरेशन साइबर संग्राम' के तहत धोलागढ़ देवी इलाके में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया गया।

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा में शहरी सेवा शिविरों का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को एक ही स्थान पर सरकारी सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इससे अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक को राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से लोगों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वें इन शिविरों में शामिल होकर सभी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं तथा आस-पास के जरूरतमंद लोगों को भी इन शिविरों से जुड़वाने में मददगार बनें। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर शुरू किए गए सेवा पखवाड़ा के तहत इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिवस को सेवा पखवाड़ा के तौर पर मनाने का जो संदेश दिया है, वह केवल राजनीति का नहीं बल्कि समाजसेवा का मार्ग है। उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया के मानचित्र पर एक नई पहचान बना रहा है। देश आज जीडीपी ग्रोथ रेट, डिजिटल इकॉनोमी, स्टार्टअप इकोसिस्टम सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। निवेश अनुकूल नीतियों के कारण विदेशी कंपनियां भी भारत में व्यापार एवं निवेश कर रही है।

शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं बाबा भीमराव अम्बेडकर की अंत्योदय की अवधारणा को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं, जिससे अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का फायदा मिले तथा उनका जीवन स्तर ऊपर उठें। उन्होंने कहा कि इन शिविरों से आमजन को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र तक, आय प्रमाण पत्र से लेकर निवास प्रमाण पत्र तक सेवाएं मिल रही है। साथ ही, इन शिविरों से पेंशन, राशन कार्ड, सड़कों का मरम्मतीकरण, शहर की साफ-सफाई सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य करवाएं जा रहे हैं जिससे लोगों को तत्काल राहत मिल रही है। शर्मा मंगलवार को भीलवाड़ा नगर निगम एवं नगर पालिका हमीरगढ़ में आयोजित शहरी सेवा शिविर के परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

शीतकालीन प्रवास पर प्रवासी पक्षी कुरजां का खींचन में आना हुआ शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फलौदी। मंगोलिया, चीन और कजाकिस्तान से हजारों किलोमीटर का सफर तय करके अपने शीतकालीन प्रवास पर हर साल राजस्थान में फलौदी जिले के खींचन गांव में आने वाले प्रवासी पक्षी कुरजां के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। खींचन गांव में इन प्रवासी पक्षियों का पहले जत्थे (करीब डेढ़ सौ) ने यहां तालाबों पर पड़ाव डाल दिया है। इससे पक्षी प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई हैं। इन प्रवासी पक्षियों की सेवा में लगे प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी एवं समाजसेवी सेवाराम माली ने बताया कि विजयसागर तालाब एवं रातड़ी नाडी पर इन पक्षियों ने अपना पड़ाव डाला है। उन्होंने बताया कि खींचन में बने चुग्गा घर की अभी सफाई नहीं हो पाई है और सप्ताह भर बाद चुग्गा घर इन पक्षियों को चुग्गा डालने के लिए तैयार हो जायेगा। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले इन पक्षियों के आने से पहले यह चुग्गा घर तैयार हो जाना चाहिए था लेकिन इस पर किसी का ध्यान नहीं है।

उन्होंने कहा कि हर साल इन पक्षियों के आने का समय लगभग तय रहता है और ये सितंबर शुरु होने के साथ ही इनके आना

शुरु हो जाता हैं और इससे पहले यहां चुग्गा घर , तालाब आदि पर साफ सफाई और आवारा कुत्तों से इनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पहले ही होने चाहिए थे लेकिन पर्यटन को बढ़ावा देने वाले इन पक्षियों की तरफ किसी का ध्यान नहीं हैं। माली ने कहा कि खींचन में लगातार इन पक्षियों की संख्या बढ़ती जा रही है और पिछले साल इनकी संख्या 40 हजार से ऊपर पहुंच गई थी और इनकी वापसी भी कुछ देरी से हुई थी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि खींचन में अभी तक बर्ड रेस्क्यू सेंटर भी नहीं बन पाया है। उन्होंने बताया कि गत 27 अगस्त को ही आसमान में कुरजां मंडराती नजर आ गई थी लेकिन यहां चुग्गा घर में बड़ा-बड़ा घास होने एवं सफाई नहीं होने के कारण इन पक्षियों ने कई खेतों में अपना डेरा बनाया और अब पिछले सप्ताह विजयसागर एवं रातड़ी नाडी तालाबों पर उतरना शुरु हुए और अब वे समूह के रुप में नजर आने लगी है। माली ने बताया कि ग्राम पंचायत की तरफ से इस चुग्गा घर की सफाई कराई जा रही है और सप्ताह भर बाद ही यह चुग्गा घर पक्षियों को चुग्गा डालने के लिए तैयार हो पायेगा।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सरकार को पिछले दिनों ही रामसर साइट घोषित किए इस पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने एवं इन पक्षियों का खींचन में पड़ाव स्थल बनाये रखने के लिए कोई ठोस कदम उठाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर व्यवस्थाओं के इस तरह के हालात चलते रहे तो आने वाले समय में ये पक्षी अपना ठिकाना कहीं और बना लेंगे।

माफी मांगें या मानहानि के लिए 100 करोड़ रुपए का हर्जाना दें : बिहार के मंत्री ने प्रशांत किशोर से कहा

पटना/भाषा। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने मंगलवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को कानूनी नोटिस भेजते हुए उनसे ''बिना शर्त माफी'' मांगने या फिर 100 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा झेलने के लिए तैयार रहने को कहा। पिछले सप्ताह पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी करीब 200 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि की कथित रूप से अनियमित खरीद-फरोख्त में लिप्त हैं। ग्रामीण कार्य विभाग का प्रभार संभाल रहे अशोक चौधरी ने अपने अधिवक्ता कुमार अंजनय शानू के माध्यम से भेजे गए नोटिस में किशोर से कहा है कि वह ''या तो अपने आरोपों को साबित करने के लिए ठोस सबूत प्रस्तुत करें, या फिर लिखित और एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर मौखिक रूप से सार्वजनिक तौर पर बिना शर्त माफी मांगें।''

नोटिस में कहा गया है कि प्रशांत किशोर के बयान से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी की साख को अपूरणीय क्षति पहुंची है और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि नोटिस प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर उपयुक्त उत्तर नहीं दिया गया, तो ''100 करोड़ रुपए के हर्जाने के लिए दीवानी मुकदमा'' दायर किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में सार्वजनिक-निजी भागीदारी से शहरों के बीच हेलीकॉप्टर सेवा संचालन को मंजूरी

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने मंगलवार को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत निजी संचालकों के सहयोग से राज्य के भीतर हेलीकॉप्टर सेवा संचालन को मंजूरी दी है जिसका उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटक स्थलों के लिए किफायती हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संवाददाताओं को बताया कि संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हेलीपैड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर चयनित स्थानों पर हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान करेंगे।

मंत्री ने बताया कि हेलीकॉप्टर सेवाओं के संचालन के लिए प्रदेश के प्रमुख शहरों को तीन सेक्टरों में विभाजित किया गया है जिसके तहत सेक्टर-एक में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर को रखा गया है। इसी तरह, सेक्टर-दो में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर को रखा गया है और सेक्टर- तीन में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडोरी, भोपाल और इंदौर हैं।

सभी वायु रक्षा प्रणालियों की संयुक्त रूप से जननी होगी 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली : एयर मार्शल दीक्षित

नई दिल्ली/भाषा। सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि भारत की प्रस्तावित वायु रक्षा प्रणाली 'सुदर्शन चक्र' ''सभी वायु रक्षा प्रणालियों की जननी'' होगी और इसमें ड्रोन-रोधी, यूएवी-रोधी और हाइपरसोनिक-रोधी प्रणालियां शामिल होंगी। यहां 'यूएवी-रोधी और वायु रक्षा प्रणालियां: आधुनिक युद्ध का भविष्य' विषय पर आयोजित सम्मेलन में अपने संबोधन में, एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख (सीआईएससी) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने यह भी कहा कि दुश्मन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से सबक सीखा है और इसलिए सैन्य सोच और योजना में ''हमें उनसे दो कदम आगे रहना होगा''। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, रक्षा उद्योग की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों और क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया। एयर मार्शल दीक्षित ने हाल में हुए अजरबैजान-आर्मेनिया संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और इस बात का उल्लेख किया कि कैसे अपेक्षाकृत सस्ते ड्रोनों ने दूसरे पक्ष की महंगी सैन्य संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सैन्य अधिकारी ने कहा कि उन्होंने एक 'नवाचार अनुकूलन चक्र' बनाया है और भारतीय उद्योग, थिंक-टैंक और शिक्षाविदों का काम 'दो कदम आगे' सोचना होना चाहिए।

पिछले पांच सालों में ओड़िशा के 289 प्रवासी श्रमिकों को बचाया गया: मंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओड़िशा के श्रम और कर्मचारी राज्य बीमा मंत्री गणेश राम सिंहखुंटिया ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य के बाहर काम करते समय ओडिशा के 289 प्रवासी मजदूरों की मृत्यु हो गई। बीजद विधायक अनंत नारायण जेना के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि ओडिशा के इन प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु 2021 से 2025 (अगस्त तक) की अवधि के दौरान हुई है।

मंत्री के बयान के अनुसार, 2021 में 14 प्रवासी मजदूरों की मौत हुई थी, जो 2022 में बढ़कर 31, वर्ष 2023 में 42 और वर्ष 2024 में 120 हो गई। इसी तरह, चालू कैलेंडर वर्ष के अगस्त तक 82 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। सिंहखुंटिया ने कहा कि सरकार ने इस अवधि के दौरान अन्य राज्यों में कुल 5,612 संकटग्रस्त प्रवासी श्रमिकों को बचाया है।

मंत्री ने बताया कि 2021 में ओडिशा के 785 प्रवासी श्रमिकों को बचाया गया, जबकि 2022 में यह संख्या बढ़कर 1,196 और अगले वर्ष 1,639 हो गई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य सरकार ने 2024 और चालू वर्ष (अगस्त तक) में क्रमशः 1,055 और 937 प्रवासी श्रमिकों को बचाया है।

आक्रांताओं के अत्याचार से भारत में हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ से घटकर 30 करोड़ हुई थी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 1100 तक भारत में हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ थी, मगर ''आक्रांताओं'' के ''अत्याचारों'' की वजह से साल 1947 में देश की आजादी के समय उनकी तादाद घटकर 30 करोड़ रह गई।

योगी आदित्यनाथ ने आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प विषयक प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह दावा किया। उन्होंने कहा, ''भारत पर इस्लाम ने जब पहला हमला किया और उसके बाद भी वर्ष 1100 तक, देश के अंदर हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ थी, और 1947 में जब यह देश आजाद हुआ, उस समय हिंदुओं की आबादी मात्र 30 करोड़ रह गई। आप मुझे बताइए, इन 800-900 वर्षों में हमारी आबादी बढ़नी चाहिए थी या कम होनी चाहिए थी? हम 60 करोड़ से 30 करोड़ पर आ गए।''

आदित्यनाथ ने यह भी दावा किया कि ''आक्रांताओं'' ने हिंदुओं की आबादी ही नहीं घटाई बल्कि खेती के उत्पादन को भी कम कर दिया। उन्होंने कहा, ''हिंदुओं को सिर्फ आक्रांताओं ने ही नहीं मारा, बल्कि वे भूख से मरे, बीमारी से मरे, तमाम अन्य प्रकार की यातनाओं से मरे। विदेशी दासता ऐसी ही होती है... इस देश के साथ भी वही किया गया।''

हालांकि, आदित्यनाथ ने 300 वर्ष पहले के भारत की समृद्धि का भी जिक्र किया और कहा, ''ज्यादा दूर मत जाइए, आज से 300 वर्ष पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था। दुनिया के कुल औद्योगिक उत्पादन में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था। भारत का मतलब आज का भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश, जिसे आप वृहत्तर भारत कहते हैं। यानी 300 वर्षों तक भारत दुनिया की नंबर एक आर्थिक ताकत था। नंबर एक का उत्पादक राष्ट्र था और कृषि में तो भारत का कोई सानी नहीं था।''

मुख्यमंत्री ने स्वदेशी का नारा बुलंद करते हुए किसी का नाम लिए बिना विरोधियों पर निशाना साधा और कहा, ''क्या नहीं था भारत के पास, लेकिन जिन लोगों ने जाति के नाम पर बांटा, क्षेत्र के नाम पर बांटा, भाषा के नाम पर बांटा, और आज भी वे उसी विदेशी मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं, समाज को विभाजित कर रहे हैं, वे लोग इस स्वदेशी अभियान में भी तमाम तरह की उंगलियां उठाएंगे।'' उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा, ''स्वदेशी अब केवल एक नारा नहीं है। स्वदेशी अब केवल खादी वस्त्रों तक ही सीमित नहीं है। सुई से लेकर समुद्री मालवाहक जहाज के निर्माण तक, और एक फाउंटेन पेन से लेकर एयरोप्लेन के निर्माण तक भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार देश के अंदर इस प्रकार का उत्पादन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके जरिए स्वदेशी की अवधारणा को विराट और व्यापक रूप दिया है।''

आदित्यनाथ ने कहा, ''जिस उत्पादन के निर्माण में भारत के श्रमिकों का पसीना लगा हो और भारत की युवा शक्ति की प्रतिभा लगी हो, वह हमारे लिए स्वदेशी है। मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड यानी भारत द्वारा बनाया गया उत्पाद जो पूरी दुनिया के लिए उपयुक्त हो। स्वदेशी को हम सब अपने जीवन का हिस्सा बना सकें, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।''

जीएसटी सुधार से आम आदमियों के साथ व्यापारियों को भी काफी लाभ होगा : ब्रजेश पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजीपुर/बदायूं (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी के साथ व्यापारियों को भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार से काफी फायदा हुआ है।

वहीं बदायूं में उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि जीएसटी की नई दरें हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लेकर आएंगी। ब्रजेश पाठक ने भाजपा नेताओं के साथ गाजीपुर में ''जीएसटी बचत उत्सव अभियान'' के तहत ''बाजार भ्रमण एवं व्यापारी संवाद'' कार्यक्रम में व्यापारियों को जीएसटी के नए प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर पत्रक वितरित किया। उपमुख्यमंत्री पाठक ने जीएसटी में सुधार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रदेश की जनता की ओर से बधाई दी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह अधिक से अधिक लोगों तक इस बात की जानकारी पहुंचाएं। भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''आम आदमी के साथ व्यापारियों को भी जीएसटी की दर कम करने से काफी फायदा हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''सरकार मध्यम वर्ग को राहत पहुंचाने को कृत संकल्पित है।'' पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद पाठक ने मेडिकल कॉलेज और महिला छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्था देखी। उन्होंने बंधवा स्थित मलिन बस्ती का भी निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से बातचीत की। इसके बाद नगर के महुआबाग में व्यापारियों से संपर्क कर जीएसटी की कम दर के बारे में बताया। बदायूं की प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने बदायूं के भाजपा कार्यालय पर जीएसटी सुधारों को लेकर एक पत्रकार वार्ता में कहा, ''जीएसटी को लेकर केंद्र सरकार का फैसला हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर लिया गया है। जीएसटी की नई दरें हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लेकर आएंगी।''

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां की करीब दो साल बाद सीतापुर जेल से रिहाई पर अखिलेश यादव द्वारा दिए गए मुकदमा वापसी के बयान पर उन्होंने कहा, ''अखिलेश यादव का यह बयान अदालत को चुनौती देना है। अदालत जो फैसला लेती है वह सोच-समझकर लेती है और अदालत का फैसला सर्वोच्च होता है।'' यादव ने मंगलवार को सपा के संस्थापक सदस्य आजम खां की रिहाई पर खुशी जताते हुए कहा कि राज्य में सपा की सरकार आई तो खां के खिलाफ दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे।

कोलकाता में मूसलाधार बारिश से जनजीवन ठप, 10 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता में मंगलवार को मूसलाधार बारिश के कारण कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से नौ व्यक्तियों की मृत्यु बिजली का करंट लगने से हुई। लगभग चार दशक के बाद हुई इतनी भारी बारिश के कारण हवाई, रेल और सड़क परिवहन प्रभावित हुआ। शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं और राज्य सरकार को दो दिन पहले ही दुर्गा पूजा की छुट्टियां घोषित करनी पड़ी।

चौबीस घंटे से भी कम समय में हुई 251.4 मिलीमीटर बारिश 1986 के बाद सबसे अधिक है। उस साल 259.5 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इसके अलावा यह बीते 137 साल में एक दिन में छठी सबसे अधिक बारिश है। साल 1888 में 253 मिलीमीटर बारिश हुई थी। बारिश के कारण मुख्य सड़कों की हालत नदियों जैसी हो गई। मेट्रो और ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं और हवाई यात्रा भी प्रभावित हुई है। अगले सप्ताह दुर्गा पूजा से पहले शहर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारी बारिश को ''अभूतपूर्व'' बताया तथा फरक्का बैराज से गाद न निकालने और निजी बिजली कंपनी सीईएससी की चूक की आलोचना की। उन्होंने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए घरों के अंदर रहने की अपील की। ममता ने डिजिटल माध्यम से एक संबोधन में कहा, मैंने ऐसी बारिश पहले कभी नहीं देखी। कुल दस लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से नौ की मौत खुले तारों की वजह से करंट लगने के कारण हुई है। कोलकाता में आठ जबकि उत्तर 24 परगना के शासन व दक्षिण 24 परगना के अमतला से सटे इलाकों में दो लोगों की मौत हुई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सीईएससी को उनके परिवारों के सदस्यों को नौकरी देनी चाहिए। सीईएससी को कम से कम पांच लाख रुपए का मुआवजा देना चाहिए।

किसानों की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है सरकार : राकेश टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार के खिलाफ 'वोट चोरी' के आरोपों पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार किसानों की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है। टिकैत ने बरेली के नेहरू युवा केंद्र में आयोजित किसान महापंचायत में सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा, ''राहुल गांधी सही बोल रहे हैं। वोट चोरी तो 2014 के चुनाव से ही लोग करते आ रहे हैं। हमने तो पांच साल पहले ही कह दिया था कि वोट चोरी करके बेईमानी से सरकार सत्ता में आई है। रोजगार छीने जा रहे हैं। स्कूल बंद हो रहे हैं। यह सरकार किसानों की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है।'' टिकैत ने कहा, ''महापंचायत का उद्देश्य अधिकारियों को सचेत करना है। किसानों की जमीनों पर सरकार की नजर है। वह उसे हड़पना चाहती है और पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। किसानों को सतर्क होना पड़ेगा। केंद्र सरकार की नजर किसानों की जमीनों पर है और किसानों को भी दिल्ली पर नजर रखनी पड़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''एक महापंचायत के माध्यम से हमने अधिकारियों को चेतावनी दे दी है। अगर उन्होंने अपनी सोच नहीं बदली तो हम महाआंदोलन करेंगे।'' इस महापंचायत में हजारों किसान शामिल हुए।

'ओडिशा के मयूरभंज में आयुर्वेद कॉलेज स्थापित किया जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को घोषणा की कि मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में 85 करोड़ रुपए की लागत से एक आयुर्वेद कॉलेज स्थापित किया जाएगा और राज्य को इस वर्ष आठ और 'पंचकर्म' केंद्र मिलेंगे।

पंचकर्म केंद्रों में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। माझी ने यहां राज्य-स्तरीय राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''राज्य सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से इस वर्ष मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक नया आयुर्वेदिक कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना के लिए अनुमानित 85 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।'' वर्तमान में, केन्द्रापड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल में आयुष के अंतर्गत एक पंचकर्म इकाई मौजूद है तथा बरगढ़ और क्योंझर मुख्यालय अस्पतालों में ऐसी दो इकाइयां

स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न जिलों में आठ और पंचकर्म केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

माझी ने कहा, ''ओडिशा में तीन सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चार सरकारी होम्योपैथिक कॉलेज हैं, जबकि पांच सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल और चार सरकारी होम्योपैथिक अस्पताल हैं, जहां नई पीढ़ी के चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है और राज्य तथा बाहर से आए कई मरीजों का इलाज किया जा रहा है।'' इसके अलावा, वर्तमान में 1,011 आयुष औषधालय कार्यरत हैं, जिनमें से 620 आयुर्वेदिक, 562 होम्योपैथिक और नौ यूनानी औषधालय हैं।

बुलडोजर फैसले से बहुत संतुष्टि मिली क्योंकि यह मानवीय समस्याओं से निपटता है : सीजेआई गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने कहा है कि बुलडोजर कार्रवाई पर उनके फैसले से उन्हें ''अत्यधिक संतुष्टि'' मिली है, क्योंकि यह ''मानवीय समस्याओं'' से निपटता है।

न्यायमूर्ति गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने 13 नवंबर 2024 को ''बुलडोजर न्याय'' की तुलना एक अराजक स्थिति से की थी और देशभर के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किये थे।

शीर्ष न्यायालय के वकीलों के एक शैक्षणिक समूह द्वारा 19 सितंबर को आयोजित एक अभिनंदन समारोह में सीजेआई गवई ने कहा कि उन्हें लगभग छह महीने तक न्यायमूर्ति विश्वनाथन के साथ पीठ साझा करने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बुलडोजर से जुड़ा निर्णय, उन निर्णयों में से एक है जिसने हम दोनों को अत्यधिक संतुष्टि दी। इस निर्णय के मूल में मानवीय समस्याएं और मानव द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं थीं। परिवार को केवल इसलिए परेशान किया जा रहा था कि उसके सदस्य या तो अपराधी या कथित अपराधी हैं।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हालांकि, इसका श्रेय उन्हें ही जाता है, लेकिन इस फैसले को लिखने का बराबर का श्रेय न्यायमूर्ति विश्वनाथन को भी जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीजेआई के कार्यकाल का न्याय प्रशासन पर कोई असर नहीं पड़ता।

सीजेआई ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि प्रधान न्यायाधीश के कार्यकाल का न्याय प्रशासन की दक्षता से कोई सीधा संबंध है। हमारे पास ढाई महीने तक न्यायमूर्ति ललित और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना जैसे सर्वश्रेष्ठ प्रधान न्यायाधीश रहे हैं, जिन्होंने अपनी छाप छोड़ी है तथा वे न्याय प्रदान करने और (न्याय) प्रशासन में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं।'' प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि उन्होंने न्याय की बेहतरी और देश भर में न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे में सुधार लाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''मैंने न्याय प्रशासन की बेहतरी और देश भर में न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार लाने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए हर पल प्रयास किया है कि उच्च न्यायालयों में नियुक्तियां शीघ्रता से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचें।'' प्रधान न्यायाधीश के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय में वकालत कर रहे युवा वकीलों को ''अच्छा प्रतिनिधित्व'' देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय में उन्हें जो समृद्ध अनुभव प्राप्त होता है, वह वास्तव में उच्च न्यायालय स्तर पर दक्षता लाने या उसे बढ़ाने में मदद करता है।''

प्रशांत किशोर के आरोपों पर राजग मंत्री 'साफ जवाब दें' या फिर 'पद छोड़ दें' : आर के सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आर. के. सिंह ने मंगलवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य के ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी से कहा कि वे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर द्वारा लगाए गए आरोपों पर ''साफ जवाब दें'' या फिर ''पद छोड़ दें''।

आरा लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद से नाराज भाजपा के वरिष्ठ नेता ने यह टिप्पणी विभिन्न मीडिया माध्यमों से बातचीत के दौरान की। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैंने जो कहा है, उस पर कायम हूं। इन नेताओं के अलावा भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह सब बातें पार्टी और राज्य सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रही हैं। यदि

उनके पास आरोपों को गलत साबित करने के सबूत हैं, तो वे सामने रखें और चाहें तो प्रशांत किशोर पर मानहानि का मुकदमा भी करें। यदि ऐसा नहीं है, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए।''

प्रशांत किशोर ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी ने मैट्रिक परीक्षा पास किए बिना 'डी-लिट' की उपाधि कैसे प्राप्त कर ली। उन्होंने अशोक चौधरी पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और पिछले तीन वर्षों में कथित रूप से 200 करोड़ रुपए की जमीन ''गैरकानूनी तरीकों से'' खरीदने का आरोप लगाया था। किशोर ने भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर भी ''अवैध रूप से'' एक अल्पसंख्यक महाविद्यालय के मालिक बनने का आरोप लगाया था।

किशोर ने कहा था, ''सम्राट चौधरी दावा करते हैं कि उन्हें अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से 'डी-लिट' की उपाधि मिली है। लेकिन उन्होंने 10वीं की परीक्षा कब पास की? चौधरी ने 2010 के चुनावी हलफनामे में खुद को सातवीं पास बताया था। इसके बाद के हलफनामों में उन्होंने 'डी-लिट' उपाधि का जिक्र किया। बिना 10वीं पास किए यह कैसे संभव है? निर्वाचन आयोग को चौधरी से उनकी 10वीं के प्रमाणपत्र की प्रति मांगनी चाहिए।''

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आर. के. सिंह ने कहा, ''सम्राट चौधरी को जनता के सामने अपनी डिग्रियां रखनी चाहिए। सबूतों के साथ स्पष्ट करना चाहिए... इसमें समस्या क्या है कि वह मैट्रिक और स्नातक की डिग्रियां दिखाएं? वरना इसका असर पार्टी की विश्वसनीयता पर पड़ रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अशोक चौधरी और दिलीप जायसवाल को भी इन आरोपों पर सफाई देनी चाहिए। आर. के. सिंह ने यह भी चेतावनी दी कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के आरा के वर्तमान विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह और बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह को टिकट दिया गया तो वह भाजपा के खिलाफ प्रचार करेंगे।

सुविचार

जमाने में वही लोग हम पर उंगली उठाते हैं जिनकी हमें छूने की औकात नहीं होती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगी: बैंकर भी नहीं सुरक्षित!

दिल्ली में एक सेवानिवृत्त बैंकर को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 23 करोड़ रुपए की ठगी संभवत: भारत में इस प्रकार के अपराध में लूटी गई राशि का सबसे बड़ा आंकड़ा है। साइबर जालसाजों ने 78 वर्षीय व्यक्ति को लगभग एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा और उनकी सारी जमा-पूंजी उड़ा ली। यह जानकर अचंभा होता है कि बैंक में वर्षों सेवा देने के बावजूद ये पूर्व अधिकारी साइबर जालसाजों के झांसे में आ गए! उन्हें जरा भी शक नहीं हुआ। जब अपराधी इस घटना को अंजाम दे रहे थे, तब इन सेवानिवृत्त बैंकर को कई फर्जी पत्र भी भेजे थे। उनकी शब्दावली, मुहर और प्रक्रिया के तौर-तरीकों में कोई तो गड़बड़ रही होगी, जिस पर नजर पड़ते ही शक होना चाहिए था। आम तौर पर यह माना जाता है कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को आर्थिक मामलों की गहरी समझ होती है। वे जालसाजी को तुरंत पकड़ लेते हैं। अगर बैंक में जिंदगीभर नौकरी करने के बावजूद कोई व्यक्ति जालसाजों के पैंतरों को नहीं पकड़ सका तो इसका सीधा-सा मतलब यह है कि साइबर अपराधी बहुत शातिर हो गए हैं। उन्होंने ठगी के ऐसे तरीके ढूंढ़ लिए हैं कि आर्थिक मामलों के जानकार भी शिकार हो जाते हैं। उनके सामने आम आदमी कितना सुरक्षित है? हाल में डिजिटल अरेस्ट की घटनाएं कम ही सामने आ रही थीं। पिछले साल साइबर जालसाजों ने इसके नाम पर लोगों को बहुत लूटा था और रोजाना ही कोई मामला सोशल मीडिया पर चर्चा में रहता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह एक झूठ है। भारतीय संविधान में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान नहीं है। तो कोई एजेंसी इस तरह किसी व्यक्ति को कैसे गिरफ्तार करेगी?

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ तकनीकी उपाय किए हैं, जो काफी हद तक प्रभावी साबित हुए हैं। हालांकि कोई तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं होती है। साइबर जालसाज ऐसे तरीके ढूंढ़ते रहते हैं, जिनकी मदद से वे लोगों तक पहुंच सकें, उन्हें धमका सकें और बैंक खातों में सेंध लगा सकें। कंपनियों को चाहिए कि वे तकनीकी उपायों को और मजबूत करें, ताकि कोई साइबर जालसाज अपने मंसूबों में कामयाब न हो पाए। वहीं, जनता को भी जागरूक होने की जरूरत है। खासकर बैंक कर्मचारियों को तो बहुत सावधान रहना चाहिए। उनके पास बैंक शाखा में काफी नकदी होती है। अगर कोई साइबर जालसाज उन्हें डरा-धमकाकर राशि ट्रांसफर करवा ले तो भारी नुकसान हो सकता है। हाल के वर्षों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जब साइबर जालसाजों ने बैंक कर्मचारियों / पूर्व कर्मचारियों को बातों में उलझाकर लाखों रुपए ठग लिए थे। पिछले साल दिसंबर में उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक सेवानिवृत्त चीफ मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के शिकार हो गए थे। उन्होंने 40.45 लाख रुपए गंवा दिए थे। इसी तरह जून 2024 में जयपुर में एक महिला बैंक मैनेजर से 17 लाख रुपए की ठगी हो गई थी। उन्हें भी डिजिटल अरेस्ट किया गया था। मैनेजर इतनी डर गई थीं कि उन्होंने अपनी एफडी तोड़कर साइबर जालसाजों के बैंक खातों में रुपए भेज दिए थे। जून 2024 में ही कोयंबटूर के एक बैंक मैनेजर पार्ट टाइम जॉब एवं निवेश स्कीम में ऐसे फंसे कि 48.57 लाख रुपए गंवा बैठे थे। कर्नाटक के मांड्या में एक बैंक मैनेजर को साइबर जालसाजों ने नकली सीबीआई अधिकारी बनकर डराया और डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। मैनेजर ने जालसाजों की बातों में आकर उन्हें 56 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए थे। ये घटनाएं बताती हैं कि साइबर ठगी के बढ़ते खतरे के मद्देनज़र बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। साइबर ठग जो नए पैंतरे आजमा रहे हैं, उनसे बचने के लिए बैंकों में चर्चा होनी चाहिए। अख़बार तो सबको रोज़ाना नियमपूर्वक पढ़ना चाहिए। जब बैंक अधिकारी और कर्मचारी ज्यादा सजग रहेंगे तो वे जनता के धन की सुरक्षा भी बेहतर ढंग से कर सकेंगे।

ट्वीटर टॉक

जयपुर के अजमेर-सीकर रोड के इलाके में कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, धावास, वैशाली नगर इलाके की तरफ जाना हुआ। इन इलाकों में सड़कों की भयंकर दुर्गति है। यहां कई जगहों पर स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश में इस इलाके में स्थिति बेहद खराब हो गई।

-अशोक गहलोत

आज उदयपुर में स्वदेशी अभियान के अंतर्गत दुकानों पर स्टीकर लगाकर सभी को जीएसटी रिफॉर्म की शुभकामनाएँ दीं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ नेक्सट जेन जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

-मदन राठौड़

22 से 29 सितंबर तक आयोजित जीएसटी उत्सव - घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार के अंतर्गत,राजस्थान के खाद्य मंत्री श्री सुमित गोदारा जी के साथ लूणकरणसर के कालू रोड स्थित खुदरा विक्रेताओं से भेंट कर नई जीएसटी दरों पर विस्तृत चर्चा की।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर की प्रसन्नता

राबिया बसरी एक बहुत ही धार्मिक महिला थी। वह एक झोपड़ी में रहती थी, सोने के लिए एक गद्दा, तकिये के स्थान पर एक ईंट, एक छोटा बर्तन और एक टूटा हुआ मिट्टी का गिलास, बस ये ही उसकी संपत्ति थी। कुछ लोग उससे मिलने आए और उन्हें उसकी हालत पर तरस आया। उन्हें लगा कि वह ईश्वर की इतनी पूजा करती है, फिर भी उसके लिए कोई सुविधा नहीं है। यहां तक कि एक अच्छा तकिया भी नहीं। राबिया उनके मन की बात समझ गई। राबिया ने उनसे प्रश्न किया, 'क्या ईश्वर सर्वशक्तिमान है?' उन्होंने कहा, 'हां'। उसने फिर प्रश्न किया, 'क्या वह आकाश को भूमि में और भूमि को आकाश में बदल सकता है?' उन्होंने कहा, 'हां!' उसने फिर पूछा, 'क्या वह मेरी स्थिति आसानी से बदल सकता है?' उन्होंने कहा, 'वह तुम्हें राजकुमारी जितना धनवान बना सकता है!' उसने आगे पूछा, 'उसने इसे नहीं बदला है, क्या यह सच है या नहीं?' वे सहमत हुए। फिर राबिया ने उन्हें समझाया, 'इसका अर्थ है कि भगवान मेरी इस हालत से खुश हैं। अगर भगवान खुश हैं तो मैं नाराज़ कैसे हो सकती हूं?' यही एक भक्त की समझ है।

सामयिक

भारतीय शोधार्थियों को प्रोत्साहन की जरूरत

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

पक्षियों के पंख अपने आप में संपूर्ण रूप में विकसित होते हैं, लेकिन हवा के बिना कोई भी पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। यही स्थिति भारत में नवाचारी प्रयोगधर्मियों के साथ रही है। उनमें कल्पनाशील असीम क्षमताएं हैं, लेकिन कल्पनाओं को आकार देने के लिए प्रोत्साहन एवं वातावरण नहीं मिल पाता है। हालांकि 11 साल से सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें। क्योंकि हाल ही में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। दूसरी तरफ एच-1 बी वीजा की शुल्क में आवेदान के लिए एक लाख डॉलर, यानी करीब 86 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी करने के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिससे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है।

हालांकि नासा और नेशनल फाउंडेशन के बजट में भारी कटौती के बाद यूरोप ने चूज यूरोप फॉर साइंस थीम पर मई-2025 में एक बैठक कर दुनिया के शोधार्थियों के लिए अपने संस्थानों के द्वार खोल दिए हैं। फ्रांस और भारत ने बजट बढ़ा दिया है। चीन पूर्व से ही स्कूल स्तर पर छात्रों की मौलिक सोच एवं नूतन आविष्कार की संभावनाओं की पहचान कर छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उन्मुक्त करने लग गया है।

भारत ने नेशनल रिर्सच फाउंडेशन बनाकर एक लाख करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की है। जिससे शोध की सोच को आविष्कार के रूप में साकार किया जा सके। अब छात्र वित्तीय स्वतंत्रता के साथ अपने शोध आगे बढ़ा सकेंगे। वर्तमान और भविष्य के शोध एआई, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटर, अंतरिक्ष विज्ञान, गणित और स्टेम साइंस के अनुसंधानों से जुड़े होंगे। आज के समय में नासा और भारत सुपर कंप्यूटर और डिजिटल संचार के माध्यमों में पाणिनि के अष्टाध्यायी में उल्लेखित संस्कृत को इनकी भाषा बनाने के संयुक्त अनुसंधान में लगे हैं। संस्कृत की भाषाई सटीकता और तार्किकता के चलते इसे कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी में प्रयोग की संभावनाएं बढ रही हैं।

संस्कृत की व्याकरण प्रणाली को तीन हजार से अधिक वर्ष पहले महर्षि पाणिनि ने संहिताबद्ध किया था। वैज्ञानिक इसे भाषाई विज्ञान का एक अद्वितीय नमूना मानते हैं। पाणिनि व्याकरण संस्कृत भाषा के लिए रचित अष्टाध्याई नामक ग्रंथ पर आधारित है। जिसमें लगभग 4000 सूत्र हैं। यह व्याकरण एक अत्यधिक वैज्ञानिक और सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करता है। संस्कृत को इसी ने परिनिष्ठित और मानकीकृत किया है। पाणिनि की यह पद्धति दुनिया की पहली औपचारिक विधि मानी जाती है। इसके सहायक प्रतीकों (प्रत्यय) की प्रणाली ने कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्योंकि संस्कृत सुसंगत कंप्यूटर अनुकूल भाषा हैं। इसलिए इसे एआई और रोबोटिक्स तकनीक के लिए उपयोगी भाषा माना जा रहा है। चूंकि भारतीय युवा अपनी मातृभाषा में प्राकृतिक रूप से दक्ष रहते हैं और इन भाषाओं की जननी संस्कृत है, इसलिए उन्हें उपरोक्त क्षेत्रों में नए शोध करने में आसानी होगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविष्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहासपूर्ण अभद्र रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनुदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविश्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे। बल्कि उन्हें मनबुद्धि होने का दंड देकर विद्यालयों से कर दिया गया था।

आविष्कारक शोधार्थी को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई शोधार्थी कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार-तल देती है। स्

पश्ट है, आविष्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाध्यकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। हम कह सकते हैं कि मौलिक प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचानकर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। इस दिशा में एक अच्छी पहल आईआईटी मद्रास में सोच का पाठ पढ़ाने के पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ की है। यदि शिक्षक विद्यार्थी के अवचेतन में पैठ बनाए बैठे इस कल्पनाशील सोच को पहचानने में सफल होते हैं तो इस पाठ्यक्रम की सार्थकता निकट भविष्य में सिद्ध हो जाएगी।

दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। भारतीय शोधार्थियों का वैश्विक प्रतिशत 2 हैं, सबसे उत्तम और चर्चित शोध-पत्रों की प्रस्तुति में हमारा योगदान 2.4 प्रतिशत है। लेकिन यह प्रसन्नता की बात है कि दुनिया के 29 प्रौद्योगिकी संपन्न देशों में भारत का स्थान पांचवां है। भारत ने उस प्रत्येक परिस्थिति को चुनौती और अवसर माना, जिसे दूसरे देशों के देने से मना कर दिया था। एक समय रूस ने भारत को अंतरिक्ष मिसाइल प्रक्षेपण से जुड़े क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। तब एपीजे अब्दुल कलाम ने इसे अपनी बुद्धि और देशज संशाधनों से विकसित किया और आज हम अंतरिक्ष में प्रमुख वैश्विक शक्ति हैं। इसी तरह 1987 में अमेरिका ने हमें सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था। तब भौतिक शास्त्री विजय पांडुरंग भटकर ने इस स्थिति को एक चुनौती माना और भारत का पहला सुपर कंप्यूटर परम स्वयं की मेधा से विकसित किया। अतएव ट्रंप के अवरोधों को हमें एक अवसर के रूप में देखने की जरूरत है।

चिंतन

नेपाल में अराजकता, अस्थिरता से भारत की चिंता

संजीव ठाकुर

मोबाइल: 9009415415

नेपाल हाल के दिनों में गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल से गुज़रा है। जेन-जेड प्रोटेस्ट के नाम से शुरू हुए युवा आंदोलनों ने भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और सोशल मीडिया प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। प्रदर्शन हिंसक हुए, और दबाव में आकर प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा। इसके बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है और मार्च 2026 में आम चुनाव की घोषणा भी हुई है।यह घटनाक्रम केवल नेपाल की आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है; इसके गहरे असर भारत-नेपाल संबंधों पर भी पड़ सकते हैं। नेपाल में हाल का विद्रोह केवल सड़कों पर नारों तक सीमित नहीं रहा, उसने सत्ता के गलियारों को हिला दिया। युवा पीढ़ी के असंतोष ने वर्षों से जड़ जमाए नेतृत्व को चुनौती दी और अंततः प्रधानमंत्री ओली की विदाई का रास्ता बना। यह बदलाव नेपाल के लिए नया अध्याय है, लेकिन सवाल यह है कि भारत इस अध्याय को किस तरह पढ़ेगा? नेपाल में अराजकता, अस्थिरता से भारत की चिंता। भारत और नेपाल का रिश्ता सिर्फ पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि साझा संस्कृति, खुली सीमा और ऐतिहासिक साझेदारी का है। लेकिन नेपाल की अस्थिर राजनीति भारत के लिए हमेशा चिंता का विषय रही है। अशांति जितनी लंबी खिंचेगी, उतना ही भारत की सीमा-सुरक्षा और व्यापारिक आपूर्ति प्रभावित होगी। भारत के लिए नेपाल में राजनीतिक स्थिरता अनिवार्य है। साझा सीमा और सांस्कृतिक रिश्तों के कारण नेपाल में अस्थिरता सीधे भारत की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करती है। अगर अंतरिम सरकार समय पर चुनाव कराकर जनता का भरोसा जीत पाती है, तो यह भारत के लिए सकारात्मक होगा। लेकिन अगर असंतोष और हिंसा बनी रही, तो इसका असर सीमा क्षेत्रों और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ेगा। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा पार पेट्रोलियम, खाद्यान्न और दवाइयों की आपूर्ति नेपाल की अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा है। हालिया अस्थिरता ने बिरगंज-रक्सौल कॉरिडोर जैसे महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों को प्रभावित किया है। नई सरकार अगर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर निवेश का माहौल बेहतर बनाती है, तो भारतीय कंपनियों को ऊर्जा और हाइड्रोपावर परियोजनाओं में नए अवसर मिल सकते हैं। लेकिन यदि अस्थिरता लंबी खिंचती है या नीति चीन की ओर झुकती है, तो भारत के आर्थिक हितों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत-नेपाल की 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा मित्रता का प्रतीक है, पर यह सुरक्षा की चुनौती भी है। राजनीतिक संकट के दौर में हथियारों की तस्करी, नकली मुद्रा और अवैध आवागमन की समस्या बढ़ जाती है। इसी कारण भारत ने हाल की घटनाओं के बाद सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। नेपाल की राजनीति में चीन का दख़ल लगातार बढ़ रहा है। हाइड्रोपावर, सड़क और डिजिटल परियोजनाओं में चीनी निवेश नेपाल को आकर्षित कर रहा है। यदि नई सरकार चीन की ओर और झुकती है, तो भारत की परंपरागत भूमिका को चुनौती मिलेगी। भारत को विकास सहयोग और कूटनीतिक पहल के ज़रिए संतुलन बनाए रखना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की हिंसा पर चिंता जताते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को नेपाल यात्रा के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है और सीमा क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।नेपाल का मौजूदा संकट भारत के लिए चेतावनी भी है और अवसर भी। नेपाल की अर्थव्यवस्था भारत पर निर्भर है। पेट्रोल, दवाइयाँ, अनाज और रोज़मर्रा की चीज़ें भारतीय मार्गों से ही पहुँचती हैं।

इस अस्थिरता से व्यापारिक कॉरिडोर पर असर पड़ना स्वाभाविक है। यदि नई सरकार भ्रष्टाचार कम करने और निवेश आकर्षित करने में सफल होती है, तो भारत को ऊर्जा परियोजनाओं और बुनियादी ढाँचे में नए अवसर मिलेंगे। लेकिन अगर राजनीतिक दिशा चीन की ओर मुड़ी, तो भारत को अपने हिस्से का मैदान छोटा होता दिखेगा। नेपाल में हर राजनीतिक हलचल के पीछे एक और चेहरा भी दिखता है - चीन का। चाहे सड़क हो या हाइड्रोपावर, नेपाल में चीन का निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारत के लिए यह चुनौती है कि वह केवल सरकारों से नहीं, बल्कि सीधे नेपाली समाज से जुड़ाव बढ़ाए। दोस्ती सिर्फ़ समझौतों से नहीं, बल्कि भरोसे और साझा विकास से बनती है।भारत ने आधिकारिक तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन और हिंसा पर चिंता जताई है। लेकिन केवल बयान देना काफी नहीं होगा। भारत को चाहिए कि वह नेपाल में शिक्षा, रोज़गार और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष सहयोग बढ़ाए, ताकि आम नेपाली नागरिक उसे सच्चा साझेदार माने। नेपाल का मौजूदा संकट भारत के सामने दो दरवाज़े खोलता है - एक दरवाज़ा चिंता और असुरक्षा का, दूसरा अवसर और साझेदारी का।

चुनाव के नतीजे चाहे जैसे हों, भारत के लिए असली परीक्षा यह होगी कि वह नेपाल के साथ रिश्तों को नई ऊँचाई दे या उन्हें केवल औपचारिकता में सिमटा रहने दे।काठमांडू की सड़कों पर उठता हर नारा दिल्ली की नीतियों के लिए संकेतक बन जाता है। वर्तमान परिस्थिति में भारत की सबसे बड़ी चिंता सीमा-सुरक्षा और व्यापार की है। पेट्रोल, खाद्यान्न और दवाइयों जैसी आवश्यक वस्तुएँ भारत से ही नेपाल पहुँचती हैं। अशांति के दौर में सीमा पार व्यापार ठप पड़ना स्वाभाविक है। इसके साथ ही तस्करी, अवैध आवाजाही और बाहरी ताक़तों की घुसपैठ का खतरा भी बढ़ जाता है।

नजरिया

मलयालम सिनेमा के गौरव मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

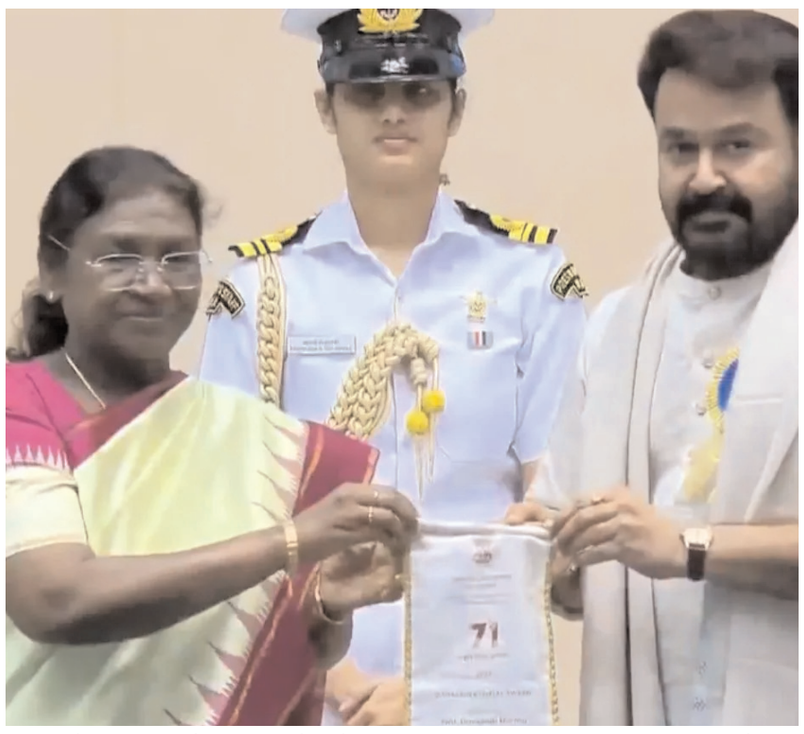

भारत सरकार ने वर्ष 2023 के लिए मलयालम सिनेमा के महान अभिनेता मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह खबर मिलते ही न केवल उनके प्रशंसकों, बल्कि पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह सम्मान मोहनलाल के चार दशक से भी लंबे करियर और भारतीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान का प्रतीक है। मोहनलाल, जिनका पूरा नाम मोहनलाल विश्वनाथन नायर है, का जन्म 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा, केरल में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1978 में 'थिरानोट्टम' नामक फिल्म से की थी, लेकिन उनकी पहली रिलीज़ 1980 में आई 'मंजिल विरिंजा पुक्कल' थी, जिसमें उन्होंने एक खलनायक की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें तुरंत पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और सहज अभिनय से उन्होंने भारतीय सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी है। उनके अभिनय में इतनी गहराई और सहजता है कि वे किसी भी किरदार को जीवंत कर देते हैं, यही कारण है कि उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से 'लालेट्टन' (प्रिय) कहते हैं।

अपने चार दशक से भी लंबे करियर में, मोहनलाल ने 400 से ज़्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने न केवल मलयालम सिनेमा में बल्कि तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा है। उनकी कुछ यादगार फिल्मों में 'थनमाथरा', 'इरुवर', 'दृश्यम' और 'ल्यूसिफर' शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें देश-विदेश में अपार लोकप्रियता दिलाई। उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण के कारण उन्हें 'द कंप्लीट एक्टर' की उपाधि भी दी गई है। यह उपाधि उनकी कला के प्रति उनके गहरे समर्पण और उनके हर किरदार में पूर्णता लाने के जुनून को दर्शाती है। मोहनलाल को पहले भी कई बड़े सम्मानों से नवाज़ा जा चुका है। उन्हें पाँच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शामिल है। इसके अलावा, उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2001 में पद्म श्री और 2019 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। ये सम्मान उनके असाधारण करियर और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान का प्रमाण हैं।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की घोषणा होते ही मोहनलाल ने इसे केवल अपना नहीं, बल्कि पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का सम्मान बताया। यह खबर मिलने के बाद जब वे कोच्चि पहुँचे, तो उन्होंने सबसे पहले अपनी माँ शांताकुमारी अम्मा का आशीर्वाद लिया। हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए, वे भावुक हो गए और कहा, यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि पूरे मलयालम सिनेमा का है। मैं इसे उस इंडस्ट्री को समर्पित करता हूँ, जिसने मुझे आकार दिया और उन सभी को, जिन्होंने मेरे 48 साल के लंबे सफर में मेरा साथ दिया। उन्होंने इस पुरस्कार को अपने जीवन की सबसे बड़ी खुशी बताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने यह भी कामना की कि मलयालम सिनेमा और भी ऊँचाइयाँ हासिल करे। यह बयान उनकी विनम्रता और अपनी जड़ों के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। मोहनलाल को 23 सितंबर 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह क्षण न केवल मोहनलाल के लिए, बल्कि मलयालम सिनेमा और पूरे भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। उनके अभिनय करियर की यह उपलब्धि उनकी कला के प्रति समर्पण और उनकी अथक मेहनत का फल है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

युवा राजपूत सभा ने मंगलवार को जम्मू में महाराजा हरि सिंह जी की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य रैली निकाली।

महर्षि वाल्मीकि के रूप में मेरा फर्जी ट्रेलर एआई से बनाया गया: अक्षय कुमार

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता अक्षय कुमार ने मंगलवार को कहा कि महर्षि वाल्मीकि के रूप में दिखाया गया 'ट्रेलर' फर्जी है और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किया गया है। अभिनेता ने लिखा, ''हाल में मुझे कुछ 'एआई-जनरेटेड' वीडियो मिले हैं जिनमें मुझे महर्षि वाल्मीकि की भूमिका में दिखाया गया है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि ऐसे सभी वीडियो फर्जी हैं और एआई की मदद से बनाए गए हैं। इससे भी बुरी बात यह है कि कुछ समाचार चैनलों ने इस बात की पुष्टि किये बिना ही इन्हें खबर के रूप में दिखाने का निर्णय ले लिया कि यह असली है भी नहीं या क्या इसे छेड़छाड़ करके बनाया गया है।''इसके बाद उन्होंने सभी 'मीडिया हाउस' से अनुरोध किया कि वे ऐसी सूचनाओं की पुष्टि करकर ही उसे खबर के रूप में प्रकाशित/प्रसारित करें।अक्षय ने कहा, ''आज के ऐसे दौर में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से भ्रामक सामग्री बड़ी तेजी से तैयार की जा रही है, मैं मीडिया से ईमानदारी से अनुरोध करता हूं कि वे जानकारी की पुष्टि करने के बाद ही खबरें चलायें।''यह बयान ऐसे समय में आया है जब ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन और करण जौहर जैसी मशहूर हस्तियों द्वारा उनके नाम, छवि, आवाज और व्यक्तित्व के ऑनलाइन अनधिकृत दुरुपयोग पर कानूनी रूप से सुरक्षा का अनुरोध किया है।

गरबा

सूरत में मंगलवार को दस दिनों तक चलने वाले 'नवरात्रि' उत्सव के दूसरे दिन गरबा अभ्यास सत्र के दौरान एक लड़की अपने सिर पर बर्तनों का संतुलन बनाते हुए अपना हुनर दिखाती हुई।

राजनीति में आपको 'मोटी चमड़ी' वाला होना पड़ेगा : उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता गौरव भाटिया से कहा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि जो व्यक्ति राजनीति में होता है, उसे ''मोटी चमड़ी'' (आलोचनाओं को सहने) वाला होना चाहिए, लेकिन व्यंग्य और मानहानि के बीच अंतर करना होगा।

न्यायमूर्ति अमित बंसल ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया की एक अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

अर्जी में, भाटिया ने इस महीने की शुरुआत में एक टेलीविजन समाचार कार्यक्रम में उनके पहनावे को लेकर सोशल मीडिया से ''अपमानजनक'' सामग्री हटाने की मांग की है। कार्यक्रम में उन्हें ''बिना पैंट/पायजामा'' के कुर्ता पहने कथित तौर पर देखा गया था।

भाटिया की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत को बताया कि उन्होंने 'शॉर्ट्स' पहना हुआ था और कैमरामैन ने गलती से उनके शरीर का निचला हिस्सा दिखा दिया। उन्होंने दावा किया कि घटना से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट भाटिया की निजता का उल्लंघन करते हैं और आपत्तिजनक टिप्पणियों को हटाया जाना चाहिए।

न्यायाधीश ने कहा कि अदालत को एकपक्षीय व्यादेश (इनजंक्शन) पारित करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए और मामले की सुनवाई 25 सितंबर के लिए निर्धारित कर दी।

न्यायाधीश ने कहा, ''हमें बहुत सावधान रहना होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि ऐसे मामलों में एकपक्षीय आदेश पारित नहीं करना चाहिए। हमें बहुत सावधान रहना होगा।''

वकील ने दलील दी कि तस्वीर उनके घर की ''निजता में ली गई थी'' और उनकी सहमति के बिना इसे प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''यह मेरी (भाटिया की) निजता का हनन है। मैं अपने घर की निजता में बैठा था। ऐसी तस्वीरें मेरी सहमति के बिना प्रसारित नहीं की जा सकतीं।'' इस पर न्यायाधीश ने कहा, ''वे आपके घर में जबरन नहीं घुसे थे।''

न्यायाधीश ने कहा, ''जब आप राजनीति में हैं, तो आपको मोटी चमड़ी वाला होना पड़ेगा। हमें यह पता लगाना होगा कि क्या व्यंग्यात्मक है और क्या अपमानजनक। इसलिए, फिलहाल हमें आपत्तिजनक और व्यंग्यात्मक टिप्पणियों में अंतर करना होगा।''

हालांकि, न्यायाधीश ने कहा कि अश्लील टिप्पणियों को हटाना होगा।

राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर करण जौहर ने कहा, मैंने कुछ तो अच्छा किया जिससे दिल जीत पाया

नई दिल्ली/भाषा। करण जौहर ने मंगलवार को कहा कि 2023 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय संपूर्ण मनोरंजक फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर वह दिल से बहुत आभारी हैं और इसे लेकर उनके दिल में बहुत उत्साह और जोश है।

'कुछ कुछ होता है', 'कल हो ना हो', 'माई नेम इज खान' जैसी हिट फिल्मों के लिए मशहूर निर्माता-निर्देशक, राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण करने के लिए दिल्ली में हैं। उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार के 'रेड कार्पेट' पर दूरदर्शन को बताया, ''यह मेरा लगातार तीसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। 2021 में हमें यह 'शेरशाह' के लिए मिला था और 2022 में हमें 'ब्रह्मास्त्र' के लिए सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स और इस साल का सबसे संपूर्ण और लोकप्रिय मनोरंजन (पुरस्कार) मिला है। इस समय मैं बहुत जोश में हूं। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।''

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से 2016 में आई 'ऐ दिल है मुश्किल' के बाद जौहर ने निर्देशन में वापसी की है। यह जौहर का लगातार तीसरा और कुल चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार है।

यह जौहर के लिए एक चक्र के पूरा होने जैसा है कि क्योंकि उन्हें अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के लिए इसी श्रेणी में नामांकित किया गया था। फिल्म निर्माता ने कहा, ''जब भी हमें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, मुझे लगता है कि मैंने जूरी और दर्शकों का दिल जीतने और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कुछ तो सही किया है। जूरी के प्रति बहुत बहुत सम्मान और आभार। मैं उत्साहित हूं, हमें जिस श्रेणी में पुरस्कार मिल रहा है उसमें तीन शब्द हैं, 'संपूर्ण', 'लोकप्रिय' और 'मनोरंजक', तो एक निर्देशक को और क्या चाहिए? यह और भी खास है क्योंकि मेरा पहला राष्ट्रीय पुरस्कार इसी श्रेणी में 'कुछ कुछ होता है' (पहली फिल्म) के लिए मिला था। इसलिए 27 साल बाद उसी श्रेणी में आना मेरे लिए एक भावुक क्षण है।'' वर्ष 2021 में जौहर ने 'शेरशाह' के लिए विशेष जूरी पुरस्कार जीता, 2022 में उन्होंने 'ब्रह्मास्त्र: भाग एक – शिवा' के लिए सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स का विशेष पुरस्कार जीता और इस साल 'रॉकी और रानी...' के लिए वर्ष का सबसे संपूर्ण और लोकप्रिय मनोरंजक फिल्म का पुरस्कार जीता।

दिग्गज अभिनेता मोहनलाल के साथ पूथोट्टा में शुरू हुई 'श्यम-3' की शूटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। दिग्गज अभिनेता मोहनलाल अभिनीत 'दृश्यम' फिल्म शृंखला की अगली कड़ी 'दृश्यम-3' की शूटिंग पूथोट्टा के एसएन लॉ कॉलेज में शुरू हुई। मोहनलाल का नाम हाल में दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए चुना गया है। शूटिंग के उदघाटन समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना की गई। निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर भी मोहनलाल के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पत्रकारों से बात करते हुए, मोहनलाल ने भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान के लिए चुने जाने पर अपनी खुशी जाहिर की। दृश्यम शृंखला के नए भाग में जॉर्जकुट्टी की अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि जॉर्जकुट्टी कुछ परेशानियां खड़ी करेगा लेकिन मुझे ज्यादा कुछ बताने के लिए मना किया गया है। सस्पेंस ही 'दृश्यम-3' का रोमांच और आकर्षण है। मोहनलाल ने कहा कि फिल्म शूटिंग उदघाटन समारोह के बाद वह दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली जाएंगे। दृश्यम-1 (2013) और दृश्यम-2 (2021) पूरे देश में हिट रहीं और इनका पुनर्निर्माण (रीमेक) हिंदी, सिंहला, मंदारिन और कोरियाई सहित कई भाषाओं में किया जा चुका है। निर्देशक जीतू जोसेफ ने कहा कि दर्शकों को ज्यादा उम्मीदें नहीं बल्कि जिज्ञासा लेकर आना चाहिए। यह फिल्म कोई थ्रिलर नहीं बल्कि एक पारिवारिक ड्रामा है, जो पिछले चार साल में जॉर्जकुट्टी के परिवार में आए बदलावों पर केंद्रित है। निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर ने इसे एक अविस्मरणीय दिन बताया। उन्होंने मोहनलाल को पुरस्कार मिलने की घोषणा के तुरंत बाद दृश्यम-3 की शुरुआत के प्रतीकात्मक महत्व पर भी बात की।

लंदन फैशन वीक में जैकलीन फर्नांडीज ने बिखेरा जलवा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने जलवा बिखेर दिया। लंदन फैशन वीक के मंच पर उस समय सबकी निगाहें ठहर गईं जब बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस ने मशहूर डिजाइनर अनामिका खन्ना के लिए रैम्प वॉक किया। अपनी बेहतरीन स्टाइल और रेड कार्पेट लुक्स के लिए पहचानी जाने वाली जैकलीन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह फैशन की दुनिया में किसी अंतरराष्ट्रीय आइकन से कम नहीं हैं। इस खास मौके पर जैकलीन ने एक स्टेटमेंट ब्लेज़र पहना था, जिसमें बारीकी से बने ज्योमेट्रिक पैटर्न ने सबका ध्यान खींचा। यह टेलर्ड ब्लेज़र न सिर्फ उनके फिगर को खूबसूरती से उभार रहा था, बल्कि इसके मॉदगीपूर्ण स्टाइलिंग के साथ जैकलीन ने इस शानदार पोशाक की खूबसूरती को पूरी तरह उभरने दिया, डर्न डिज़ाइन ने क्लासिक स्टाइल को हाई-फैशन लुक में बदल दिया। बेहद मिनिमल एक्सेसरीज़ और साजिससे उनका आत्मविश्वास और एलीगेंस दोनों साफ झलक रहा था।इस लुक की हर बारीकी कट्स से लेकर पैटर्न तक डिजाइनर अनामिका खन्ना के कारीगरी और रचनात्मकता का प्रतीक रही। जैकलीन की यह मौजूदगी न केवल भारतीय डिज़ाइन को एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर सामने लाने वाली रही, बल्कि एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया कि वे ग्लोबल लेवल पर फैशन ट्रेंड्स सेट करने वाली हस्तियों में शुमार हैं। फैशन की दुनिया में लगातार छा रही जैकलीन फर्नांडीस हर एक अपीयरेंस के साथ ग्लैमर और स्टाइल का नया बेंचमार्क सेट कर रही हैं। अनामिका खन्ना के साथ उनका यह कोलैबोरेशन भारतीय फैशन और वैश्विक स्टाइल के मेल का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है।लंदन फैशन वीक में यह शानदार प्रस्तुति जैकलीन फर्नांडीस की अंतरराष्ट्रीय फैशन सर्किट में मजबूत होती पहचान को और पुख्ता करती है, और इस सीज़न के फैशन हाइलाइट्स में एक यादगार मोमेंट के रूप में दर्ज हो गई है।

यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म हक का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

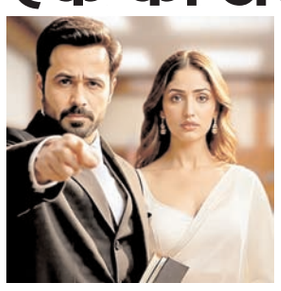

यामी गौतम और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक का टीजर रिलीज हो गया है। जंगली पिक्चर्स ने इनसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज के साथ मिलकर अपनी नई फिल्म 'हक' की घोषणा की है। यह एक दमदार ड्रामा है, जो मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित है। फिल्म में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं, और इसका निर्देशन सुपर्ण एस. वर्मा ने किया है। फिल्म हक का टीजर रिलीज हो गया है।।मध्य प्रदेश के इंदौर की शाह बानो बेगम को 1978 में उनके पति ने तलाक दे दिया था। इसके बाद शाह बानो ने सर्वोच्च न्यायालय में एक आपराधिक मुकदमा दायर किया, जिसमें उन्होंने अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार जीता। सात साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। टीज़र शाज़िया नाम के किरदार की दुनिया की झलक दिखाता है, जिसमें दर्द, अन्याय और गरिमा के लिए लगातार संघर्ष दिखाई देता है। यामी गौतम ने इस उलझन को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया है, उनके हाव-भाव खुद ही उस चुपचाप संघर्ष की कहानी बयां कर रहे हैं, जो महिलाएं रोज़ाना सहती हैं।

फिल्म 'हक', जिग्ना वोरा द्वारा लिखित 'बानो: भारत की बेटी' नामक किताब पर आधारित एक काल्पनिक और नाटकीय कहानी है। शाह बानो बेगम अस्सी के दशक में पुरुष प्रधान समाज में अपने स्वाभिमान और हक़ के लिए लड़ी। यह फिल्म सात नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की बेहतरीन कलाकारों की सूची में शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टांगड़ी जैसे मंजे हुए कलाकार भी शामिल हैं।

फातिमा सना शेख ने हिंदी फिल्मों के बारे में मांगे सुझाव

मुंबई/एजेन्सी

फातिमा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने मेहरून रंग की साड़ी के साथ मल्टी कलर का ब्लाउज पेयर किया है। कानों में बड़े-बड़े झुमके, हाथों में चूड़ी, आंखों में गहरा काजल, माथे पर छोटी-सी लाल बिंदी और हल्का-सा मेकअप उनके लुक को और निखार रहा है। वहीं, बालों को उन्होंने खुला छोड़ रखा है। कैप्शन में फातिमा ने लिखा, बताओ...आजकल क्या देख रहे हो? कुछ हिंदी फिल्मों के बारे में सुझाव दें। फातिमा की इस पोस्ट को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं, वे इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्में 'आप जैसा कोई' और अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' थीं। फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर, और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में थे।अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा निर्मित फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में विजय वर्मा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया। पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें जुनून और अनकही चाहत की गहराई है। फातिमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं; उनका नाम कई स्टार्स के साथ जोड़ा जा चुका है।

यशराज फिल्म्स ने जारी किया 'मर्दानी 3' का नया पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

यश राज फिल्म्स ने नवरात्रि की शुभ शुरुआत को खास बनाते हुए अपनी आने वाली फिलम मर्दानी 3 का नया पोस्टर रिलीज किया है। मर्दानी 3 का नया पोस्टर अच्छाई और बुराई के बीच होने वाले महायुद्ध की तैयारी को दर्शाता है। रानी मुखर्जी एक बार फिर से अपने सर्वसम्मति से पसंद किए गए किरदार साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी कर रही हैं।पोस्टर के साथ 'ऐगिरी नंदिनी' के शक्तिशाली मंत्र उच्चारण को जोड़ा गया है, जो माँ दुर्गा की उस शक्ति का उत्सव है जब उन्होंने महिषासुर का वध किया था। यह संकेत देता है कि शिवानी को एक निर्दयी केस सुलझाने और न्याय दिलाने के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हुए पूरी दृढ़ता की आवश्यकता होगी। मर्दानी सीरीज़,भारत की सफल महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइजी है, लगातार अपने सशक्त कथानक से दर्शकों का दिल जीतती रही है। वर्ष 2014 में मर्दानी और वर्ष 2019 में मर्दानी 2 प्रदर्शित हुयी थी।इस प्रतिष्ठित महिला-पुलिस फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म मर्दानी 3, 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'मस्ती 4' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मिलाप ज़वेरी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'मस्ती 4' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी मस्ती एक बार फिर धमाके के साथ वापसी कर रही है। वेवबैंड प्रोडक्शन ने 'मस्ती 4' का टीज़र लॉन्च कर दिया है, जिसे मिलाप मिलन ज़वेरी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म मस्ती 4 में एक बार फिर रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी अपने पसंदीदा किरदार अमर, मीत और प्रेम के रूप में नज़र आएँगे। इन कलाकारों के साथ फिल्म में श्रेया शर्मा, रुही सिंह और एलनाज़ नोरौज़ी भी शामिल हुई हैं, जो इस हंसी के सफर को और ताज़गी और चमक से भर देंगी। यूके और मुंबई में शूट की गई इस फिल्म के टीज़र में बड़े पैमाने पर भव्यता और मिलाप मिलन ज़वेरी के मसाला एंटरटेनर का अंदाज़ झलकता है। हालांकि इसके अलावा फिल्म में कई बड़े नाम भी सरप्राइज़ रोल में नज़र आएँगे निर्देशक मिलाप मिलन ज़वेरी ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, पहली दो 'मस्ती' फिल्मों को लिखने से लेकर अब 'मस्ती 4' निर्देशित करने तक का यह सफर मेरे लिए सचमुच एक फुल सर्कल मोमेंट है। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इंद्र कुमार सर की विरासत को आगे ले जा रहा हूँ, जिनकी दृष्टि ने इस फ्रेंचाइज़ी की नींव रखी।

उनकी फिल्मों ने कॉमेडी एंटरटेनर्स का पैमाना तय किया और मैं अपने स्टाइल में उस विरासत को आगे बढ़ाने का सौभाग्य पा रहा हूँ। 'मस्ती 4' में हम मस्ती को एक नए स्तर पर ले गए हैं, जिसमें दर्शकों को मिलेगा ज़्यादा एंटरटेनमेंट, गहरा ड्रामा, ज़्यादा पागलपन के साथ अनलिमिटेड कॉमेडी का डोज। वैसे टीज़र तो बस उस कॉमेडी के तूफ़ान की झलक है, जो बड़े पर्दे पर उनका इंतज़ार कर रही है।

निर्माता शिखा करण आहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन) ने कहा, वेवबैंड में हमारा उद्देश्य ऐसी फिल्में बनाना है जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करें और उन्हें कहानी कहने की जादुई दुनिया में डुबो दें। मस्ती फ्रेंचाइज़ी को सालों से उसके ह्यूमर और एंटरटेनमेंट वैल्यू के लिए प्यार मिलता रहा है और 'मस्ती 4' के साथ हम इसे अगले स्तर पर ले जा रहे हैं, जहां होगा भव्य स्केल, शुद्ध मस्ती और धमाल।

टीज़र दर्शकों को उस हंसी के विस्फोट की एक झलक देगा, जो हम बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और वेवबैंड प्रोडक्शन की प्रस्तुति में मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफ़िल्म्स के साथ मिलकर बनाए गए 'मस्ती 4' के निर्माता ए. झुनझुनवाला और शिखा करण आहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठकेरिया (मारुति इंटरनेशनल), शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल हैं। मस्ती 4 ,21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 24-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भक्त और याचक में गहरा अंतर होता है। इसे समझकर ही भक्तिमार्ग की साधना हो सकती है।

जीतो साउथ द्वारा आयोजित 'जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन लीग' सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ द्वारा 'जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन लीग-2025' का आयोजन बैडमिंटन एसोसिएशन, वसंतनगर में किया गया जिसमें 16 टीमों के बीच 16 रिले मैच खेले गए।सेमीफाइनल में दिव्यदृष्टि एक्रेस टीम ने मुणोत रैकेटर्स को और कानूंगा रॉयल्स ने हाउस ऑफ ब्रांड्स टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में दिव्यदृष्टि एक्रेस टीम ने जीत हासिल कर विजेता बनी तथा कानूंगा रॉयल्स टीम उपविजेता बनी। महिला वर्ग में मुणोत रैकेटर्स टीम ने ट्रॉफी जीती और जियानी बैडमिनेटर्स टीम उपविजेता बनी। इसके अलावा अनेक खिलाड़ियों को व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार दिए गए। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में अपेक्स निदेशक नरेन्द्रसिंह सामर, प्रायोजक दीपक श्रीश्रीमाल, जीतो चेयरमैन रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुणिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, खेल संयोजक चेतन बोहरा, सह-संयोजक श्रेयांश राखेचा, इवेंट संयोजक अरुण भंसाली, रौनक गुलेच्छा, महावीर कानूंगा और टीना खांटेड ने विजेता, उपविजेता टीम व अन्य खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पदक प्रदान किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेत्रदान

बेंगलूरु के राजाजीनगर क्षेत्र के भाजपा विधायक, पूर्व मंत्री सुरेश कुमार की मां सुशीलम्मा के निधन के बाद तेरापंथ सभा राजाजीनगर के पूर्व मंत्री महावीर मेहता द्वारा प्रोत्साहित करने पर सुरेशकुमार ने अपनी मां के नेत्रदान किए। डॉ. राजकुमार ऑई बैंक(नारायण नेत्रालय) द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की। नेत्रदान के पश्चात विधायक सुरेशकुमार को नेत्रदान प्रमाणपत्र दिया गया, इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, सुरेश कुमार की धर्मपत्नी डॉ.सावित्री, महालक्ष्मी लेआउट क्षेत्र के विधायक गोपालैय्या आदि उपस्थित थे।

आफिस अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जीतो बिजनेस नेटवर्क टायकून के सदस्यों ने ब्रेड बटर क्लब स्टूडियो का ऑफिस अवलोकन किया। इस मौके पर जीतो टायकून के दिनेश लोढ़ा, नितिन लुणिया, मनीषकुमार मेहता, कमलेश कोठारी, जितेन्द्र कटारिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में आडियो वीडियो प्रजेन्टेशन के माध्यम से ब्रेड बटर क्लब के ई-कॉमर्स और प्रोडक्ट शूट से लेकर पॉडकास्ट तक की जानकारी दी गई। ब्रेड बटर क्लब स्टूडियो का यह ऑफिस अवलोकन सदस्यों के लिए बहुत जानकारी भरा रहा ।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक ने आचार्यश्री के जन्मोत्सव पर तपस्वियों को दिए रजत सिक्के

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में श्रमण संघीय आचार्यश्री शिवमुनिजी के 84वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण कर्नाटक प्रांत के श्रमण संघीय चातुर्मासिक स्थलों में सामायिक दिवस का आह्वान किया गया जिसमें दो दो सामायिक का आयोजन किया गया और सभी चातुर्मासार्थ स्थानक में 11-11 रजत सिक्के लक्की ड्रा में निकाले गए। उसी श्रृंखला में मागड़ी रोड पुष्कर दरबार में विराजित नरेशमुनिजी, सत्यप्रभाजी, यलहंका संघ में विराजित ज्ञानमुनिजी, संजयनगर संघ में विराजित बसन्तमुनिजी, राजाजीनगर में विराजित निर्मलाजी, जयनगर में विराजित कंचनकंवरजी, विल्सन गार्डन में विराजित आगमश्रीजी आदि के सान्निध्य में संबंधित स्थानकों में यह आयोजन हुआ।

जैन कॉन्फ्रेन्स के कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ के नेतृत्व में संबंधित स्थानकवासी संघों के पदाधिकारियों ने लक्की ड्रॉ के माध्यम से विजेताओं को रजत सिक्के प्रदान किए।

आराधना भवन में हुआ सौहार्दपूर्ण आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमारजी का माधवनगर कुमारा पार्क जैन आराधना भवन में आचार्यश्री अरिहंत सागरसूरीजी से सौहार्दपूर्ण आध्यात्मिक मिलन हुआ। संतद्वय ने परस्पर क्षमायाचना की। मुनिश्री ने गांधीनगर तेरापंथ भवन में संपादित पावरफुल जैनिज्म युवा क्लास के बारे में बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में जैन शासन के युवा वर्ग को सही मार्गदर्शन की अत्यंत आवश्यकता है। आचार्य अरिहंतसागरसूरीजी ने गीतार्थ गंगा ट्रस्ट की जानकारी देते हुए मुनिश्री को बहुश्रुत पूजा पुस्तक तथा वसुधैव कुटुंबकम कार्यक्रम का फोल्डर भेंट किया और आचार्य महाश्रमण जी के साथ मुंबई में हुए संयुक्त कार्यक्रम की मधुर स्मृतियों को ताजा किया।

मुनि पदमजीत सागरजी ने 'आर्य वर्ग आगम शब्द विषय कोष' की जानकारी दी। मुनि क्षमाजीत सागरजी तथा आत्माभूषणसागरजी ने आत्मीय भाव प्रकट किए। इस अवसर पर मानव हितकारी संघ राणावास के कार्यकर्ता किशोर गादिया तथा तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर के गोचरी व्यवस्था प्रभारी नितेश रायसोनी उपस्थित थे।

समभाव और सहनशीलता से बदलते हैं जीवन के कर्मफल : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन संघ में विराजित साध्वीश्री आगमश्री ने कहा कि साधु-साध्वी मोह और माया से रहित होते हैं।

उनके उपदेशों को अपने जीवन में उतारने से हम आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर होकर अपने अंतिम लक्ष्य आत्मकल्याण की प्राप्ति कर सकते हैं। भगवान महावीर ने उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से समवसरण में अपनी अंतिम देशना दी।

इस अमूल्य आगम को साधु-साध्वी आज भी संसार के जीवों तक पहुँचा रहे हैं। साध्वीश्री ने 'श्रीपाल-मैना सुंदरी' के चरित्र का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस कथा से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को धर्म, संयम और भक्ति की ओर मोड़ना चाहिए। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जब हम मन में करुणा और सहिष्णुता को विकसित करते हैं, तभी सच्ची अहिंसा का पालन होता है। जीवन में जो भी सुख-दुःख, लाभ-हानि और उतार-चढ़ाव आते हैं, वे हमारे कर्मों के उदय के परिणाम हैं। यदि हम उन्हें समभाव और धैर्य से स्वीकार करें, तो आत्मा शुद्धि की ओर अग्रसर होती है। गृहस्थ जीवन जीते हुए भी हम संयमित आहार, सत्य वचन, प्राणियों की रक्षा, नियमित स्वाध्याय और ध्यान को अपनाकर आत्मिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर मंजुनाथनगर सकल जैन संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद आच्छा, अंकितकुमार आच्छा आदि उपस्थित थे। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने धन्यवाद दिया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणेश दर्शन

बेंगलूरु के विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा आरपीसी लेआउट में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाज सेवी महेंद्र मुणोत ने भगवान गणपति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। हर्ष मुतालिक एवं नवीन सेठ ने मुणोत को सम्मानित किया ।

रावलवासिया बने हरियाणा सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष, अग्रवाल बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हरियाणा सेवा ट्रस्ट की 14वीं वार्षिक साधारण बैठक रविवार को हरियाणा भवन में अध्यक्ष सुभाष गोयल की अध्यक्षता में हुई। गोयल ने अपने तीन वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें संजय रावलवासिया को अध्यक्ष, राजेश अग्रवाल को सचिव, मदनलाल अग्रवाल को उपाध्यक्ष, सोमनाथ बंसल को कोषाध्यक्ष, नरेश गर्ग को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

साथ में ट्रस्ट के रतन लाल सिंघल, अशोक कुमार गर्ग और सुभाष बंसल को पदेन सदस्य के रूप में चुना गया। इस सभा में श्रीकृष्ण अग्रवाल (आईपीपी), बिपिन राम अग्रवाल, सतीश जैन, अशोक हिसारिया, राजेंद्र गोयल, महेंद्र गुप्ता, पवन अग्रवाल सहित अनेक ट्रस्टी उपस्थित थे। बैठक में समाजहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर चर्चा हुई। सुभाष बंसल ने जानकारी दी कि अग्रवाल समाज द्वारा शहर में एक नई गौशाला एवं पूजा घाट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस योजना में हरियाणा भवन से जुड़े अनेक ट्रस्टियों ने स्वैच्छिक योगदान देने की घोषणा की।

पुरुषों में एरिस स्ट्राइकर्स व महिलाओं में वर्धमान ड्रीम्स7 ने जीता 'विलास ज्वेल्स कप'

कांठा प्रांत बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कांठा प्रांत विजयनगर मंडल द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट-2025 'विलास ज्वेल्स कप' में पुरुषों में एरिस स्ट्राइकर्स टीम विजेता व गांधी टस्कर्स टीम उपविजेता और महिलाओं में वर्धमान ड्रीम्स टीम7 विजेता व बोहरा ब्लास्टर्स टीम उपविजेता रही। रविवार को आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गोविंदराज नगर क्षेत्र के विधायक प्रिया कृष्णा एव प्रदीप कृष्णा ने मंडल की टीमों से कहा कि आप समाज के युवाओं को जोड़ने का अच्छा प्रयास कर रहे हैं और समाज हित के कार्यों में हम हमेशा साथ हूँ। मुख्य प्रायोजक विलास गुगलिया ने भी युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

इस उपलक्ष्य मे कांठा प्रांत विजयनगर मंडल द्वारा दिसंबर-2025 में आयोजित होने वाला आगामी कार्यक्रम 'चलो जालना' के पोस्टर का भी अनावरण किया गया। प्रतियोगिता में गुगलिया सिल्वर किंग्स, मारवाड़ मार्बल्स, एचएमपी सिंघवी किंग्स, गुगलिया कमांडोज, जिनेश्वर बैग्स एवं मुथा मेवरिक्स ने भी भाग लिया।

महिलाओं की 6 टीमों के बीच खेले गए मैच मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। प्रायोजक व उपप्रायोजकों का सम्मान किया गया। मनसुख गांधी एवं अरविंद टपरावत ने कामेन्ट्री की। मंडल के अध्यक्ष मोहन कटारिया के साथ पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली।

खुद की गलती मानने वाला ही सच्चा भक्त : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि शुद्ध हृदय वाला ही भक्त कहलाता है। मन में कपट नहीं रखने वाला भक्त होता है। कपट की जगह सहजता होना जरूरी है। अपनी गलती को गलती मानने वाला सच्चा भक्त होता है। मन साफ होने वाला ही भक्त होता है। सच्चा भक्त किसी के प्रति गलत नहीं बोलता है। सभी के प्रति आदर सम्मान रखता है। कभी भी घमंड नहीं करता है। जहां समर्पण है वहां विजय है। जो झुकता है वही उठता है। झुकने वाला जीवन में बहुत आगे जाता है। सच्चा भक्त बनना बहुत मुश्किल होता है। सबके प्रति आदर, सम्मान रखना होता है। सामने वाला कुछ भी कहे फिर भी शांत रहने वाला ही सच्चा भक्त होता है। ऐसे भक्त हमेशा जीवन को पार लगाने की सोचते हैं।

धन और धर्म की राशि एक होती है। लेकिन धन डुबोता है जबकि धर्म पार लगाता है। मनुष्य धन के पीछे भाग कर जीवन बेकार कर रहा है। पुराने समय में लोग धर्म, संस्कृति को महत्व देते थे लेकिन आज के समय में लोग धर्म नहीं बल्कि धन को ज्यादा महत्व देते हैं। पहले के समय में लोगों के पास कितना भी पैसा क्यों न हो लेकिन बहुत ही सरल हुआ करते थे। कभी भी दिखावा नहीं करते थे। जीवन में मनुष्य को धन नहीं धर्म ही काम आना है। वर्तमान में मनुष्य सभी संस्कार और संस्कृति को भूल चुका है। समय के हिसाब से अगर काम होगा तो उसका मजा ही अलग होगा। एक बार समय निकलने के बाद कुछ नहीं मिलेगा। ज्ञसंतश्री ने कहा कि मनुष्य को धन के पीछे नहीं बल्कि धर्म के पीछे भागना चाहिए। धन संसार तक ही सीमित है, लेकिन धर्म जन्म जन्मांतर तक साथ देगा। मनुष्य को संसार में सब मिल जाता है, इसलिए भगवान से सुमति मांगने का प्रयास करना चाहिए। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने सभी का स्वागत किया एवं संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

आराध्य के दरबार में याचकवृत्ति निपट अज्ञानता है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भक्त और याचक में गहरा अंतर होता है। इसे समझकर ही भक्तिमार्ग की साधना हो सकती है। भगवान की भक्ति जीवन के परिवर्तन और आध्यात्मिक उन्नति के लिए होती है। आज तो मंदिरों में भक्तजनों की संख्या कम और याचकों की भीड़ ज्यादा होती हैं। आराध्य के दरबार में याचकवृत्ति निपट अज्ञानता है। जो भगवान के पास भी भौतिक सुख-सुविधाओं की याचना के लिए जाते हैं, वे दुर्गुणों से मुक्त बनने और शांति से जीने का प्रयास कहां और कब करेंगे? क्योंकि भौतिक सुखों का कोई अंत नहीं है और याचकवृत्ति मनुष्य को कभी सच्चा भक्त भी बनने नहीं देती, इसलिए हर व्यक्ति को सबसे पहले यह समझने की आवश्यकता है कि हम भगवान को चाहते हैं या भगवान से कुछ चाहते हैं ? यदि भगवान से प्रीति है तो फिर कुछ मांगने की आवश्यकता नहीं है और अगर भगवान से कुछ चाहते हैं तो यह भक्ति नहीं है, मात्र याचक वृत्ति है। भक्ति तो निष्काम भाव से समर्पण की भूमिका पर होती है। संसार के भोग-सुख मांगने के लिए मंदिर जाना तो भगवान को प्रेम करने की प्रक्रिया नहीं है। वह स्वार्थ मात्र है। आचार्य मानतुंगसूरी, आचार्य सिद्धसेन दिवाकर, मीरा, संत तुलसीदास, संत तुकाराम आदि ऐसे भक्त नहीं थे। उनकी भक्ति परमात्मा के प्रति शुद्ध प्रीति के स्वरूप में थी। आधुनिक युग में भक्तों की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। जहां देखो वहां, हर आराध्य की चौखट पर याचक ही नज़र आते हैं। इस प्रकार संसार के भोग-सुख मांगने वाला जीवन में कभी आध्यत्मिक उन्नति नहीं कर सकता। जो भौतिकता के दलदल में फंसा हुआ हो, वह कभी आध्यत्मिक जगत का मूल्यांकन भी नहीं कर पाता। ज्ञजैनाचार्य ने आगे कहा कि धर्मक्षेत्र को व्यापार और भगवान को भोग-सुख का साधन नहीं बनाना चाहिए। धर्म तो आचरण की पवित्रता, विचारों की उत्कृष्टता और भावनाओं की गहराई का प्रतीक है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि आज धर्म को स्वदर्शन के बजाय प्रदर्शन में लाया गया है। उसे बाजारू बना दिया गया है। मनुष्य को अपने सांसारिक जीवन को धर्म के रंग से रंगना था, उसके बजाय वह धर्म को संसार के रंगों से रंगते जा रहा है। धार्मिक मनुष्य का जीवन तो इत्र जैसा होता है। वह जहां भी जाता है, वहां ज्ञान और सदाचार की खुशबू फैलता है। इत्र की दुकान पर साइनबोर्ड लगाना भी आवश्यक नहीं होता। जो भी उस दुकान के पास से गुजरता है, उसे सुगंध से स्वतः ही प्रतीति हो जाती है। धार्मिक मनुष्य का जीवन भी ठीक ऐसा ही होता है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com